राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI.No. UPHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करे
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | 9511151254 | epaper.swatantraprabhat.com | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शनिवार , 29 मार्च 2025
वर्ष 13, अंक 332, पृष्ट 04,मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

किसान का शव पड़ोसी के घर बरामद...........03

बिहार के सरकारी डॉक्टरों की तीन दिवसीय हड़ताल ओपीडी सेवाएं ठप...04

न्यायिक वितरण प्रणाली की आत्मा पर बहुत बड़ा आघात : जज के घर से नकदी बरामद होने पर पूर्व सिजेआई और एजी ने कहा

भारत के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीशों, पूर्व न्यायाधीशों और अटॉर्नी जनरलों (एजी) ने कहा कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास पर नकदी के ढेर की बरामदगी दुखद और चिंताजनक है, लेकिन वे चाहते हैं कि निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले तीन सदस्यीय समिति द्वारा जांच पूरी कर ली जाए। पूर्व सीजेआई केजी बालाकृष्णन ने टीएनआईई से विशेष बातचीत करते हुए कहा, निश्चित रूप से यह खबर हम सभी के लिए दुखद और दिल तोड़ने वाली है। जांच पैनल को सच्चाई का पता लगाना चाहिए और तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचना चाहिए कि पैसा कहां से आया। यह न्यायमूर्ति वर्मा के आधिकारिक आवास पर कैसे पहुंचा? पैनल वहां लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद ले सकता है, पूर्व सीजेआई ने कहा। उनके विचारों को पूर्व सीजेआई तीरथ सिंह ठाकुर ने दोहराया, जिन्होंने कहा, निश्चित रूप से नकदी की बरामदगी हम सभी के लिए चिंताजनक और परेशान करने वाली थी। मैं इस खबर से स्तब्ध हूं। न्यायपालिका इस मुद्दे से निपट रही है और इसकी जांच के लिए एक पैनल का गठन किया है।÷ उन्होंने मीडिया को आगाह किया कि वे परिणाम का अनुमान न लगाएं और अभी निष्कर्ष पर न पहुंचें। उन्होंने कहा, हमें जांच पूरी होने का इंतजार करना चाहिए। पूर्व अटॉर्नी जनरल (एजी) और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने टीएनआईई से बात करते हुए कहा, जस्टिस वर्मा के घर से नकदी बरामद होने पर मुझे दुख और पीड़ा हुई है। यह मुद्दा निश्चित रूप से न्यायिक व्यवस्था के दिल में एक बड़ी चोट है। अगर जज दोषी पाए जाते हैं, तो जल्द से जल्द कार्रवाई की जानी चाहिए। इस समय, सब कुछ सार्वजनिक डोमेन में है। इसका श्रेय भारत के मुख्य न्यायाधीश को जाता है, जिन्होंने जनता को सब कुछ दिखाने के लिए इतना साहसी कदम उठाया। एक अन्य पूर्व अटॉर्नी जनरल और वरिष्ठ वकील केके वेणुगोपाल ने कहा कि जस्टिस वर्मा को कई सवालों के जवाब देने होंगे। वेणुगोपाल ने टीएनआईई से कहा, नकदी की बरामदगी देखना न्यायपालिका के लिए ही नहीं बल्कि सभी के लिए दुखद बात है। जस्टिस वर्मा सुप्रीम कोर्ट के इन-हाउस पैनल के सामने पेश होंगे और उसके द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब देंगे। उनके बयान के बाद पैनल मामले की सभी पहलुओं से जांच करेगा। उन्होंने कहा कि न्यायाधीश को यह साबित करना होगा कि उनके घर से बरामद की गई रकम का उनसे किसी भी तरह से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा, उन्हें यह भी साबित करना होगा कि प्रथम दृष्टया वह इसमें शामिल नहीं हैं। अगर वह इसे साबित नहीं कर पाते हैं, तो उन्हें कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका में जनता का विश्वास बहाल करना होगा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति एस.आर. सिंह, जिनकी अदालत में न्यायमूर्ति वर्मा कई मामलों में वकील के रूप में पेश हुए थे, ने कहा, यह मामला हममें से कई लोगों को आहत कर रहा है। जांच पूरी होने दीजिए और सच्चाई सामने आने दीजिए। उन्होंने कहा, हमें दोनों पक्षों को देखना होगा ताकि पता चल सके कि वह इसमें शामिल है या नहीं। जब तक जांच समिति किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच जाती, हम यह नहीं कह सकते कि वह निर्दोष है या दोषी। नकदी बरामदगी विवाद÷ सुप्रीम कोर्ट के तीन सदस्यीय जांच पैनल ने जस्टिस वर्मा के आवास का निरीक्षण किया न्यायमूर्ति सिंह ने कहा कि न्यायपालिका की आंतरिक जांच पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति शील नागू, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी.एस. संधावालिया तथा कर्नाटक उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति अनु शिवरामन द्वारा की जा रही है। उन्होंने कहा, वे विशेषज्ञ हैं और अपराध स्थल की जांच करके तथा न्यायमूर्ति वर्मा के आवास पर जाकर मामले को बहुत अच्छी तरह से संभाल रहे हैं। सच्चाई जल्द ही सामने आ जाएगी। हमें इंतजार करना होगा। न्यायमूर्ति वर्मा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने की सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश पर टिप्पणी करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति गोविंद माथुर ने कहा कि एक उच्च न्यायालय से दूसरे उच्च न्यायालय में स्थानांतरण के माध्यम से न्यायाधीश की नियुक्ति हमारी संवैधानिक व्यवस्था में एक दुर्लभ घटना है, लेकिन आजकल ऐसा नियमित रूप से किया जाता है।

उन्होंने कहा, ÷वास्तव में, मैं यह समझने में असफल रहा कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को 2021 में दिल्ली उच्च न्यायालय में क्यों स्थानांतरित किया गया। वर्तमान परिदृश्य में, जब एक आंतरिक जांच पहले ही शुरू हो चुकी है और संबंधित न्यायाधीश को अब कोई न्यायिक कार्य नहीं सौंपा जाएगा, तो प्रस्तावित स्थानांतरण से सहमत होना मुश्किल है।÷ न्यायमूर्ति माथुर ने आगे कहा कि उन्हें नहीं लगता कि यह तबादला आवश्यक है या किसी भी तरह से प्रभावी आंतरिक जांच या न्यायपालिका में जनता के विश्वास को बनाने में मददगार है, जो इस घटना के परिणामस्वरूप हिल गया है। ÷मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इलाहाबाद के वकील इस सिफारिश के खिलाफ आंदोलन की राह पर हैं। यह भी निश्चित रूप से इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायिक कार्य दिवसों को बर्बाद करेगा, जो अन्यथा बहुत कम संख्या में न्यायाधीशों के कारण खराब स्थिति में है, उन्होंने कहा। न्यायमूर्ति माथुर ने कहा, हमारा आपराधिक कानून यह मांग करता है कि अपराध होते ही दिल्ली पुलिस को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए थी, जिसमें साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ या संदिग्धों के भागने को रोकने के लिए अपराध स्थल को सुरक्षित करना शामिल था। पुलिस को घटनास्थल पर मिली सामग्री को जब्त कर लेना चाहिए था और प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करके औपचारिक जांच शुरू करनी चाहिए थी। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए था कि पूरी जांच होने तक घटनास्थल पर कोई छेड़छाड़ न हो। पुलिस कानून के अनुसार कोई कार्रवाई करने में पूरी तरह विफल रही। यह बेहद नुकसानदेह है कि अपराध के पूरे दृश्य को अस्त-व्यस्त कर दिया गया। आज तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। ऐसे में आगे सबूत इकट्ठा करने का कोई सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा, पुलिस को निर्देशों का इंतजार करने के बजाय कानून के अनुसार काम करना चाहिए था। इससे भी अधिक आश्चर्य की बात यह है कि न तो सर्वोच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल और न ही दिल्ली उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल, जिन्हें पूरी घटना की जानकारी थी, ने पुलिस को कानून के अनुसार आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति माथुर ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित समिति द्वारा आंतरिक जांच का उद्देश्य महाभियोग शुरू करने के लिए पर्याप्त सामग्री की मौजूदगी के बारे में स्वयं को संतुष्ट करना है। उन्होंने कहा कि

ताप्ती गंगा एक्सप्रेस से की पांच करोड़ की चरस बरामद

स्वतंत्र प्रभात

ब्यूरो प्रयागराज। जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने कैंट स्टेशन के ताप्ती गंगा एक्सप्रेस से चेकिंग के दौरान 10 किलोग्राम चरस बरामद की है. जिसकी अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कीमत 5 करोड़ बतायी जा रही है. जीआरपी ने चरस को कब्जे में लेकर अभियुक्त की तलाश शुरु कर दी है. त्नत्रक्कऔर ऋक्कस्न ने ट्रेन की बोगी में तलाशी ली. इस दौरान एक लावारिस बैग पड़ा मिला, जिसमें 10 किलो चरस थी. इसके बाद पूरी ट्रेन की तलाशी ली गई। वाराणसी कैंट जीआरपी प्रभारी हेमंत सिंह बताया कि रमजान एवं नवरात्र को लेकर जीआरपी एवं आरपीएफ की संयुक्त टीम द्वारा चेकिंग अभियान रेलवे स्टेशन, प्लेटफार्म एवं सर्कुलेटिंग एरिया में चलाया जा रहा था. छपरा से सूरत जाने वाले ताप्ती गंगा एक्सप्रेस के स्लीपर बोगी संख्या स्5 के सीट नंबर 20 में लावारिस हालत में 10 किलोग्राम चरस बरामद हुआ. अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठीत की गई है. यह चरस कहा से ट्रेन में रखा गया, इसकी जांच की जा रही है. चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी किमत 5 करोड़ रुपये बतायी जा रही है. यह चरस एक बड़े मादक पदार्थ तस्करी के रैकेट से जुड़ी हो सकती है. पुलिस ने अब इस मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है। आजमगढ़ में 7 लाख के गांजे के साथ दो अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार÷ जिले की स्वाट और रानी की सराय पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. पुष्पा फिल्म की तर्ज पर ऑटो में गुप्त चैंबर बनाकर गांजा की तस्करी कर रहे दो अंतर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया गया है. तलाशी के दौरान पुलिस ने ऑटो में बने गुप्त चैंबर से 70 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। गिरफ्तार तस्कर उड़ीसा प्रान्त से गांजा लेकर देवरिया जिले में सप्लाई करने का काम करते थे. एसपी सिटी शैलेंद्र लाल ने बताया कि वाहन चालक मास्टर साहनी पुत्र अम्बिका साहनी, जनपद गोपालगंज, बिहार और सुरेन्द्र यादव पुत्र स्व.रामजीत यादव, निवासी छित्रवली टड़वा, थाना खामपार, जिला देवरिया को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार तस्करों ने बताया कि पुष्पा फिल्म देखने के बाद उन्होंने गांजे की तस्करी शुरू की. इसके लिए उन्होंने ऑटो की छत पर अलग से लोहे की पट्टियों से चैम्बरनुमा बाक्स बना है. जिसमें गांजे का बण्डल रखकर झारसुगुड़ा, उड़ीसा से व्यापारियों से खरीदकर सोनभद्र, चन्दौली, आजमगढ़ के रास्ते बिहार ले जा रहे थे।

संक्षिप्त ख़बरें

आम जनमानस की जागरूकता व सहभागिता से अग्निकांड पर लगाया जा सकता अंकुश

कछौना, हरदोई। वर्तमान समय में गर्मी के मौसम के कारण आग की घटनाओं में इजाफा हो गया है, थोड़ी सी जागरूकता से आग की घटनाओं पर रोक लगाई जा सकती है। राष्ट्रीय नुकसान को रोका जा सकता है। खेतों में पकी फसल खड़ी है। अमूमन लोग धूम्रपान के बाद अवशेष बीड़ी व सिगरेट को अच्छी तरीके से बुझाकर नहीं फेंकते हैं। जिससे अग्निकांड की घटनाएं प्रकाश में आती हैं। घरों में घरेलू सिलेंडर का सही ढंग से प्रयोग करना चाहिए, थोड़ी असावधानी से घटना घट जाती है। जलाने से पूर्व पाईप को अच्छी तरीके से चेक करें, वाणिज्य प्रतिष्ठानों में अग्निशमन यंत्र व बालू व पानी का सही प्रयोग होना चाहिए।ग्रामीण क्षेत्र में विद्युत लाइन काफी जर्जर हैं, जिसके तार स्पार्किंग व तार टूटने की घटनाओं से आग लगने का की घटनाएं प्रकाश में आती हैं। कंपाइन मशीन द्वारा फसल काटने के बाद अवशेषों में आग न लगाएं, जिससे आग लगाने की घटनाओं के साथ पर्यावरण को काफी नुकसान होता है। आसपास के खेतों में खड़ी फसल में आग लगने की घटनाएं घटी हैं तो ऐसे में खेतों में आग लगने पर आगे के क्षेत्र को जुताई कर दें, जिससे आग पर काबू पाया जा सकता है।

आठ साल बेमिसाल÷ विधायक पुत्र और ब्लॉक प्रमुख ने गिनाई उपलब्धियां

हरदोई टड़ियावां। गुरुवार को क्षेत्रीय विधायक पुत्र व ब्लॉक प्रमुख रवि प्रकाश ने सेवा सुशासन और सुरक्षा की नीति को समर्पित योगी सरकार के सफलतम आठ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रेसवार्ता में सरकार के आठ वर्ष की उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार में इन आठ वर्ष के दौरान क्षेत्र के लिए जनहित में हुए तमाम कार्यों को गिनाएं। विधायक पुत्र और ब्लॉक प्रमुख श्री प्रकाश ने कहा कि भाजपा सरकार में क्षेत्र ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश को अपराध मुक्त बनाया गया है। उन्होंने कन्नौज से सपा सांसद अखिलेश यादव की ओर भाजपा सरकार पर दिए गए बयान पर कहा कि सपाइयों को योगी सरकार की लॉ एंड आर्डर को हजम नहीं हो रहा है। इसलिए बौखलाहट में बेमतलब के आरोप लगाये जा रहे हैं। कहा कि जनता ने पूर्व में सपा सरकार में हुए भेदभाव से अच्छी तरह से वाकिफ हैं। कहा कि जनता ऐसे लोगों

वाह रे प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था...... डाक्टर कमरे सोते रहे और मरीज दर्द से कराहते रहे

......प्रदेश के डिप्टी सीएम व स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक की लाख कोशिशों के बावजूद स्वास्थ्य व्यवस्था बेपटरी पर

...... मोहनलालगंज सीएचसी का मामला , जहां घंटों बाद मरीजों के हंगामा करने के बाद इलाज करने आए डाक्टर।

स्वतंत्र प्रभात
विनीत कुमार मिश्रा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज मे बुधवार रात को सीएचसी मोहनलालगंज में मरीज तड़फते रहे और डाक्टर कमरे में सोते रहे। लापरवाही का आलम यह है कि शिकायत मिलने के बाद डाक्टर ने अधीक्षक का फोन रिसीव नहीं किया।जिसके बाद अधीक्षक ने कर्मचारियों से दरवाजा तोड़ने की बात कही जिसके बाद डाक्टर कमरे से निकले और दर्द से कराह रहे मरीजों का इलाज किया। वही पीड़ित मरीजों के परिजनों ने मोहनलालगंज सीएचसी की चौपट स्वास्थ्य को लेकर स्वास्थ्य मंत्री से शिक़ायत करने की बात कही है। मोहनलालगंज के दहियर के रहने वाले अनिल पांडेय ने बताया कि बुधवार उनके बेटे अनुपम को अचानक सीने में दर्द होने लगा तो वह बेटे को लेकर सीएचसी मोहनलालगंज पहुंचे तो वहां करीब रात 11.30 बजे वार्ड ब्वाय मौजूद मिला उसने समस्या पूछकर नाम पता नोट किया और करीब तीन बार मौखिक कहने पर डाक्टर को बुलाने गया इसके बाद भी डाक्टर मरीज देखने नहीं आए इसी बीच गोपाल खेड़ा के हर्ष सड़क दुर्घटना में घायल होकर एंबुलेंस से पहुंचे तब भी डाक्टर नहीं आए इसको लेकर घायल के परिजन भी डाक्टर के न आने पर हंगामा करने लगे इसी बीच अनिल पांडेय के मुताबिक उन्होंने पूरे मामले की शिकायत सीएचसी अधीक्षक अशोक कुमार से फोन करके शिकायत की जिसके बाद अधीक्षक ने डाक्टर आने का आश्वासन दिया। उसके बाद अन्य कर्मचारी को अस्पताल भेजकर डाक्टर को उठाने की बात कही इसके बाद अधीक्षक ने फोन पर खुद स्वीकार किया कि डाक्टर अपने कमरे का दरवाजा नहीं खोल रहे है।और आप लोग परेशान न हो दरवाजा नहीं खुलता है तो दरवाजा तोड़ दिया जाएंगा।इसके कुछ देर बाद डाक्टर मौके पर आए दर्द से कराह रहे मरीजों का इलाज किया।वही मरीजों के परिजनों ने कहा इमरजेंसी में ऐसी लापरवाही जानलेवा हो सकती है इसको लेकर स्वास्थ्य मंत्री से मिलकर शिकायत करेंगे। उक्त मामले को लेकर अधीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि डाक्टर गहरी नीद में सो गए थे।इसलिए दरवाजा खोलने में देर लग गई । अब सवाल यह उठता है कि जहां प्रदेश के डिप्टी सीएम व स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक स्वास्थ्य व्यवस्था दुरुस्त करने का दावा कर रहे , वहीं ऐसे लापरवाह डाक्टरों ने स्वास्थ्य व्यवस्था का बुरा हाल करके स्वास्थ्य व्यवस्था ही चौपट कर दी है । अब देखने वाली बात यह होगी कि स्वास्थ्य मंत्री ऐसे लापरवाह डाक्टर पर क्या कार्यवाही करते हैं ।

विरोध प्रदर्शन ..... राज्यसभा सपा सांसद राज जी लाल सुमन के विवादित बयान को लेकर करणी सेना एक्शन मोड़ में , जलाया सपा सांसद का पुतला

सपा सांसद के विवादित बयान को लेकर करणी सेना ने भरी हुंकार

....श्री राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह दीपू की अगुवाई में मोहनलालगंज कस्बे मे हुआ जमकर विरोध प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात
विनीत कुमार मिश्रा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज में स्थित कालेबीर बाबा मंदिर प्रांगण में गुरुवार को श्री राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह दीपू की अगुवाई में सैकड़ों की संख्या में करणी सेना के कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में विरोध प्रदर्शन दर्ज किया गया । ज्ञात हो कि श्री राजपूत करणी सेना ने फिरोजाबाद राज्य सभा से सपा सांसद राम जी लाल सुमन के राणा सांगा पर आपत्तिजनक विवादित बयान को लेकर जगह जगह करणी सेना विरोध प्रदर्शन कर रही है । इसी विरोध प्रदर्शन के चलते मोहनलालगंज में राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में कालेबीर बाबा मंदिर प्रांगण में इकट्ठा होकर मोहनलालगंज कस्बे में रैली निकालकर सपा के नेता का पुतला जलाकर विरोध दर्ज कराया । श्री राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह दीपू ने बताया कि क्षत्रिय समाज पर कोई भी विवादित टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और क्षत्रिय समाज एक दूसरे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है और अगर कोई भी क्षत्रिय समाज पर अंगुली उठाएगा तो उसका जवाब श्री राजपूत करणी सेना ईट का जवाब पत्थर से देगी । इस दौरान श्री राजपूत करणी सेना के उपाध्यक्ष विनीत सिंह , संगठन मंत्री युवा जिलाध्यक्ष अमर सिंह विकास सिंह , पुष्पेन्द्र सिंह , राहुल राज सिंह , देवेंद्र सिंह, पुष्पराज सिंह ,राजन सिंह , मुरारी सिंह राठौड़ एडवोकेट पुष्पेन्द्र सिंह सहित सैकड़ों करणी सेना के कार्यकर्ताओं की मौजूद रही ।

आईटीआई नैनी के दो अधिकारियों को हेराफारी के आरोप में सीबीआई कोर्ट से दो साल की सजा

ब्यूरो प्रयागराज। सीबीआई की विशेष अदालत ने काशी गोमती संयुक्त ग्रामीण बैंक, पापौरा शाखा चंदौली के तत्कालीन शाखा प्रबंधक विनोद कुमार राम को 4 साल की कैद और 35,000 जुर्माने की सजा सुनाई है. सीबीआई ने 16 अगस्त 2016 को इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी. आरोप था कि बैंक प्रबंधक ने प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना के तहत 50,000 का लोन स्वीकृत करने के लिए शिकायतकर्ता से 6 हजार रिश्वत की मांग की थी. सीबीआई ने जाल बिछाकर बैंक मेनेजर को 5,000 की घूस लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया था. जांच के बाद 30 सितंबर 2016 को आरोपपत्र दाखिल किया था. कोर्ट ने दोष सिद्ध होने पर गुरुवार को सजा सुनाई। दूसरे मामले में विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रदूषण) ने आईटीआई लिमिटेड नैनी इलाहाबाद पूर्व मुख्य प्रबंधक लव निगम और तत्कालीन अधिकारी एस.ए.एच. जाफरी को 2 साल की कैद और 16,000 के जुर्माने की सजा सुनाई है। सीबीआई ने इस मामले में 17 फरवरी 1998 को केस दर्ज किया था. आरोप था कि 1990-92 के दौरान लव निगम ने आईटीआई, नैनी के शिपिंग (ङ्ग) विभाग के प्रबंधक के रूप में फर्जी बिल जमा कर 5.25 लाख (लगभग) की हेराफेरी की थी।

कालेजियम का कवच और न्यायपालिका की साख पर उठते सवाल

जिस देश की अदालतों में करीब साढ़े चार करोड़ मुकदमे फैसले का इंतजार कर रहे हैं लाखों लोगों को जीवन भर अदालतों की चौखट पर सिर पटकने के बाद भी न्याय नहीं मिल पाता है वहीं न्याय के देवता अकूत संपदा जमा कर ऐसी व्यवस्था बनाए बैठे हैं कि उनके कारनामों की सहज शुचिता भरी जांच भी उन्हीं के कुलदेवताओं की मर्जी पर टिकी है? क्या हमारी न्याय व्यवस्था विश्वास के संकट के दौर में नहीं है? न्यायालय के एक न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा के आधिकारिक आवास के एक कमरे से कथित रूप से बेहिसाब नगदी की बरामदगी ने देश के जनमानस को न्यायिक तंत्र में पैर जमा रहे भ्रष्टाचार पर सोचने के लिए मजबूर कर दिया है वहीं आम आदमी के मन मस्तिष्क में न्याय पालिका के लिए बनी साख पर भी जबरदस्त कुठाराघात किया है। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च न्यायालय के तीन न्यायाधीशों की एक जांच समिति गठित की है। वहीं पारदर्शिता सुनिश्चित करने और गलत सूचनाओं को दूर करने के लिये सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट भी सार्वजनिक की है। इस रिपोर्ट ने निष्कर्ष दिया है कि पूरे मामले की गहन जांच की आवश्यकता है। ऐसा जरूरी भी था क्योंकि उच्च न्यायपालिका की ईमानदारी और विश्वसनीयता दांव पर है। हालांकि, न्यायाधीश ने दावा किया है कि उनके या परिवार के किसी सदस्य द्वारा स्टोर रूम में कभी कोई नकदी नहीं रखी गई थी। कोई भी व्यक्ति जिसके घर दफ्तर या लाकर से बिना हिसाब किताब का आय से अधिक धन या सम्पत्ति मिलता है तो वह इसी तरह अपना बचाव करता है और यहाँ तो मामला चालीस साल से वकालत और न्यायिक अधिकारी के रूप में कार्यरत व्यक्ति से जुड़ा है तो उन्हें अपने बचाव के लिए ऐसा ही तमाम बातें बनानी होगी। इस बयान ने भी कई सवालों को जन्म दिया है। सवाल उठाया जा रहा है कि कड़ी सुरक्षा में रहने वाले सरकारी आवास में क्या बिना जानकारी के पैसा रखा जा सकता है? तो क्या किन्हीं आवासीय कर्मचारियों या बाहरी लोगों ने ऐसा कृत्य किया? यदि यह वास्तव में जज को फंसाने की सजिश थी, तो उसमें कौन लोग शामिल थे? निश्चित रूप से ऐसे सवालों का जवाब मिलने में विलंब से अविश्वास की धुंध और गहरी होगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1997 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपनाए गए ऐतिहासिक %न्यायिक जीवन के मूल्यों का पुनर्कथन% में यह निर्दिष्ट किया गया था कि किसी न्यायाधीश द्वारा ऐसा कोई कार्य या चूक नहीं होनी चाहिए, जो उनके उच्च पद और उस पद के प्रति सार्वजनिक सम्मान के अनुरूप न हो।% निस्संदेह, न्यायपालिका में जनता के विश्वास को कम करने वाले किसी भी विवाद की गहरी जांच होनी चाहिए। साथ यह भी जरूरी है कि जांच निर्धारित समय सीमा में अनिवार्य रूप से पूरी हो। वास्तव में सत्य, न्याय और न्यायिक जवाबदेही के हित में ऐसे मामलों में कार्यवाही को तेजी से आगे बढ़ाने का दायित्व अदालतों और जांच एजेंसियों का है।

सवाल उठता है कि 14 मार्च को हुई आग लगने की घटना के साथ ही जज साहब के आवास के एक कमरे में बोरों में रखे करोड़ों के नोट धधक रहे थे तब इस बात के जाहिर होने के बाद भी जिम्मेदार व्यवस्था और न्यायपालिका के सर्वेसर्वा माननीय सीजेआई महोदय ने इस मामले की जांच या भ्रष्टाचार के खुलासा के लिए पर्याप्त सक्रियता दिखाई या नहीं दिखाइ और मामले पर पर्दा डालने की भरपूर कोशिश की गई। यदि ऐसा नहीं है तो 14 मार्च की इतनी बड़ी घटना को सात दिन तक मीडिया से छिपा कर क्यों रखा गया। फायर विभाग के कर्मचारियों द्वारा आग बुझाने के दौरान बड़ी मात्रा में अधजले नोटो की आग बुझाने की विडियो बना ली गई और अधिकारियों को जानकारी दी गई अधिकारियों ने पुलिस और प्रशासन को जानकारी दी न्यायपालिका के जिम्मेदार तंत्र को भी सूचित कर दिया गया लेकिन मामले पर पांच छह दिन तक अदालत और जज साहब से जुड़ा मामला होने का दबाव बना रहा लेकिन अंततः भांडा फूट गया जब कोलेजियम द्वारा संबधित जज साहब का दिल्ली हाई कोर्ट से इलाहाबाद हाई कोर्ट स्थानांतरण कर मामले को दबाने का नाकाम कोशिश की गई। सवाल उठे न्यूज चैनल पर सनसनी बनी सोशल मीडिया पर मीम बने तो एक बार फिर एक फायर सर्विस अधिकारी से बड़ी मात्रा में नोटों के बोरों की बरामदगी से इंकार कराया गया यहां तक कि जज साहब के ट्रांसफर को भी इस घटना से इत्र सामान्य तौर पर रूटीन ट्रांसफर बता कर पल्ला झाड़ने की कोशिश की गई।

सवाल उठता है कि क्या एक सिपाही को दो सौ रुपये की रिश्वत लेने पर मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने वाली कानून व्यवस्था के सरमाएदार अपने ही एक हाइकोर्ट के जज साहब के सरकारी आवास पर इतनी बड़ी करेंसी जलने की घटना पर मिट्टी क्यों डाल रहे हैं? क्या शीर्ष अदालत के जिम्मेदार पदों पर आसीन माननीय को अपनी निष्पक्ष छवि बनाते हुए मामले का पता चलते ही संबधित जज साहब के आवास की जामा तलाशी नहीं करानी चाहिए थी जब एक कमरे में कथित करीब पंद्रह करोड़ की नकदी स्वाहा होने का अनुमान है तो बाकी कमरों की आलमारी और लाकरो में कितना ज्वैलरी बेनामी सम्पत्ति मिल सकती थी। यदि एक बारगी जज महोदय के स्पष्टीकरण बयान पर ही भरोसा किया जाए कि नकदी उनकी जानकारी में नहीं थी फंसाने का षडयंत्र हो सकता है क्या पता बाकी कमरों में भी किसी ने उन्हें फंसाने के लिए अकूत संपत्ति रख दी हो? ऐसा लगता है कि इस मामले में सिर्फ लीपापोती की जा रही है जांच के लिए अब इडी आयकर विभाग तमाम भ्रष्टाचार निवारण तंत्र के अधिष्ठानों को क्यों सक्रिय नहीं किया गया? क्या न्यायाधीश पद का असली फायदा यही है कि कालेजियम कवच बन जाता है? आग लगने की घटना के ठीक तेरह दिन बाद पुलिस कथित जांच के लिए सिर्फ स्टोर रूम तक पहुंच पाती है? ऐसी जांच से कोई खास पारदर्शी निष्पक्ष निष्कर्ष सामने आने की उम्मीद करना भी सिर्फ तसल्ली देने जैसा है। इस मौजूदा व्यवस्था को कालेजियम की व्यवस्थाओं को क्या इस भ्रष्टाचार के संरक्षण के लिए ही प्रभावी बनाया गया है?

बहरहाल, शीर्ष अदालत ने विवादों में घिरे न्यायाधीश के प्रति कथित सख्त रवैया अपनाते हुए उन्हें न्यायिक कामकाज से अलग रखने के निर्देश दिए हैं। सार्वजनिक विमर्श में उनका तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट करने की चर्चा भी रही। इस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने जस्टिस वर्मा के घटनाक्रम से जुड़े कॉल्स सुरक्षित रखने को कहा है। अदालत ने पिछले छह माह के कॉल रिकॉर्ड भी पुलिस से मांगे हैं। वहीं दूसरी ओर शीर्ष अदालत ने पुलिस द्वारा रिकॉर्ड वीडियो, तस्वीरें व शुरुआती जांच रिपोर्ट भी सार्वजनिक विमर्श में ला दी है। निश्चित रूप से न्याय की कुर्सी पर बैठे व्यक्ति से बेदाग होने की उम्मीद की जाती है। लेकिन यह पहला मौका नहीं है पूर्व में भी कई राज्यों के हाइकोर्ट तथा अधीनस्थ अदालतों के जजों का आचरण प्रतिकूल मिलने के मामलों की काफी तादाद है। समझ सकते है कि अन्याय के विरुद्ध उम्मीद की अंतिम किरण लेकर व्यक्ति न्याय की चौखट पर दस्तक देता है। यदि यह भरोसा भी टूट जाएगा तो देश के सामने अराजकता और बदअमनी के माहौल की हालात बन सकते हैं । निस्संदेह, न्याय व्यवस्था का सवालों के घेरे में आना एक गंभीर मुद्दा है। इस घटनाक्रम से न्याय व्यवस्था पर जो बदनुमा छींटे आए हैं, उन्हें पूरी निष्ठा और ईमानदारी से साफ करना जरूरी है।उम्मीद करना चाहिए है कि शीर्ष अदालत द्वारा गठित जांच समिति सच को सामने लाने में पारदर्शी व निष्पक्ष कार्रवाई करेगी। लोकतंत्र के आधारभूत स्तंभ की शुचिता साख अक्षुण्ण रखने के लिये यह बहुत जरूरी भी है। निस्संदेह, न्यायपालिका का लक्ष्य सिर्फ संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करना ही नहीं है बल्कि सार्वजनिक जीवन में निष्पक्षता, ईमानदारी और विश्वसनीयता के मूल्यों के आदर्शों को स्थापित और पोषण करना चाहिए । लेकिन न्यायपालिका में पूर्ण सम्मान के साथ बहुत विनम्रता के साथ बिना किसी पूर्वाग्रह के लिखना पड़ता है कि मौजूदा मामले में जिस तरह की सुस्त लचीलापन लिए प्रक्रिया अपनाई गई है वह स्वयं मे ही कई सवाल खड़े करती है यह एक लोकतांत्रिक देश की स्वतंत्र अस्तित्व वाली न्यायपालिका के लिए आत्मावलोकन की गंभीर जरूरत और उसमे पनपे कथित कदाचार व भ्रष्टाचार के खिलाफ तत्काल सटीक और प्रभावी कार्यवाही की जरूरत पर बल देती है ।लेकिन कालेजियम के जरिए भाई भतीजे परिवार जन को पीढ़ी दर पीढ़ी न्यायपालिका की सर्वोच्च पदों पर आसीन करने वाली व्यवस्था ऐसा कर पाएगी इस मे संदेह है।

मनोज कुमार अग्रवाल

अब राणा सांगा को लेकर जंग का आगाज

हमारा मुल्क बिना जंग के रह नहीं सकता । हम बमुश्किल औरंगजेब से फ़ारिग हुए थे कि गुरु रामजीलाल सुमन ने राणा सांगा को मैदाने जंग में ला खड़ा किया। राणा सांगा की और से अब ये लड़ाई करणी सेना लड़ रही है और सुमन की और से अखिलेश यादव की यादवी सेना। हम आम जनता मूकदर्शक बने इस जंग को देख रहे हैं। हम न इस जंग का हिस्सा बन सकते हैं और न हमारी इस जंग का हिस्सा बनने में कोई दिलचस्पी है। हाँ हमारी दिलचस्पी इस बात में जरूर है कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े सूबे की उत्तरदायी सरकार कैसे एक निर्वाचित संसद को सुरक्षा प्रदान नहीं कर पाती । राणा सांगा के बारे में जानने से पहले आप रामजी लाल सुमन के बारे में जान लीजिये। कोई 48 साल का संसदीय अनुभव रखने वाले रामजीलाल सुमन चंद्रशेखर से लेकर मुलायम सिंह जैसे कद्दावर नेताओं के भरोसेमंद और विश्वसनीय साथ ही रहे हैं। 25 जुलाई 1950 को हाथरस जनपद के बहदोई गांव में जन्में रामजीलाल सुमन की प्राथमिक शिक्षा गांव में हुई. उनकी माध्यमिक शिक्षा हाथरस में और उच्च शिक्षा आगरा कॉलेज में हुई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामजीलाल सुमन पहली बार 1977 में लोकसभा पहुंचे थे। यानि हमारे सुमन जी हमारे प्रधानमंत्री जी की उम्र के हैं और उनसे पुराने सांसद है। उन्हें इतिहास का ज्ञान भी कम नहीं है।

आपको बता दें कि रामजीलाल सुमन ने राज्यसभा में कहा था, अगर मुसलमानों को बाबर का वंशज कहा जाता है, तो हिंदू गद्दार राणा सांगा के वंशज होने चाहिए। हम बाबर की आलोचना करते हैं, लेकिन राणा सांगा की आलोचना क्यों नहीं करते ? सुमन ने सवाल किया था, जंगे ऐलान नहीं। कोई राजपूत,कोई हिन्दू हृदय सम्राट सुमन कि सवाल का शास्त्रोक्त जबाब देकर मामला शांत कर सकता था ,लेकिन दुर्भाग्य की जबाब देने कि लिए पढ़े-लिखे लोगों का टोटा है। सपा अध?यक्ष अखिलेश यादव ने भी सुमन के इस बयान का समर्थन किया है। इसके बाद विवाद शुरू हो गया है। सुमन ने यह भी कहा था कि आखिर बाबर को भारत कौन लाया। यह राणा सांगा ही थे जिन्होंने बाबर को इब्राहिम लोदी को हराने के लिए आमंत्रित किया था।अब गवाही कि लिए न इब्राहिम लोदी आ सकते हैं और न राणा सांग। बाबर को भी समन नहीं किया जा सकता। भरोसा इतिहास की किताबों पर ही करना होगा।

रामजीलाल सुमन के बयान के बाद करणी सेना भड़क गयी। ये सेना राणा सांगा के समय में थी या नहीं ,मै नहीं जानता, लेकिन मुझे पता है कि ये वो सेना है जो एक फिल्म का विरोध करने के लिए सड़कों पर पहली बार उतरी थी । ये सेना भारतीय सेना की कोई ब्रिगेड है या नहीं ये भी मैं नहीं जानता। हमारे देश में भारतीय सेना के अलावा भी अनेक सेनाएं हैं। इन सेनाओं पर कोई लगाम नहीं लगाता । एक जमाने में बिहार में ऐसी निजी सेनाओं का बहुत बोलबाला था, लेकिन बाद में सबकी बोलती बंद होगयी। उत्तरप्रदेश में करणी सेना की बोलती बंद नहीं हुई क्योंकि सूबे की सरकार ने इस सेना को तोड़फोड़ करने के लिए अधिमान्य कर रखा है अन्यथा किसी भी निजी सेना की क्या मजाल कि वो 75 साल के एक प्रतिष्ठित नेता के घर को घेर कर वहां तोड़फोड़ करे और पुलिस को भी घायल कर दे ?

लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन का अधिकार सभी को है। करणी सेना को भी , लेकिन विरोध प्रदर्शन के तरीके भी हैं । सुमन ने यदि कुछ गलत कहा है तो उनकी मुखलफ़त राज्य सभा में की जाये। क्या करनी सेना की और से एक भी राजपूत राज्य सभा में नहीं है जो खड़े होकर सुमन के बयान का विरोध कर सके ? करणी सेना को राजपूती अस्मिता की इतनी ही फ़िक्र है तो उसे पुलिस थाने जाना चाहिए अदालत जाना चाहिए ,लेकिन इतना ठठकर्म कौन करे। सड़क पर आकर जंग लड़ना ज्यादा आसान है। कुणाल कामरा के खिलाफ महाराष्ट्र में इसी तर्ज पर शिवसेना [एकनाथ शिंदे समूह] ने भी लड़ाई लड़ी। क़ानून हाथ में लेने में उतनी मशक्क्त नहीं करना पड़ती जितनी की कानूनी रूप से जंग लड़ने में करना पड़ती है। शिंदे समर्थकों को कुणाल कि मुंह से 'गद्दार 'शब्द बुरा लगा लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के मुंह से नहीं। शिंदे का कोई समर्थक उद्धव के घर तोड़फोड़ करने नहीं गया। ठीक इसी तरह रामजीलाल सुमन के मुंह से गद्दार सशब्द सुनकर करनी सेना की आत्मा घायल हो गयी।

चूंकि हमारा इस जंग से सीधे कोई सरोकार नहीं है इसलिए हम तमाशबीन की हैसियत में है। तमाशबीन या तो तालियां बजाते हैं या फिर सीटियाँ। तमाशा समाप्त होने पर पान चबाते या गुटका खाते हुए अपने घरों को लौट जाते हैं। राणा सांगा बनाम रामनीलाल सुमन की जंग में भी यही सब होता दिखाई दे रहा है। सत्ता पोषित हिंसा के हम सब मूक दर्शक हैं। हमारा क़ानून भारहीन है, उसे कोई भी अपने हाथ में ले सकता है हालांकि हमारी बहादुर पुलिस क़ानून को बचाने के लिए करणी सेना से पिट भी लेती है। पुलिस बनाई ही गयी है पिटने-पीटने के लिए। जान जैसा मौक़ा होता है, तब तैसा हो जाता है। राणा सांगा हमारी राजयसभा में उसी तरह आये जैसे औरंगजेब और उनकी कब्र आयी थी। मरे हुए लोगों को संसद में आने -जाने से कोई रोक नहीं सकता। ये बिना चुनाव लड़े संसद में आ-जा सकते हैं और हंगामा खड़ा कर वापस भी लौट सकते हैं।राणा सांगा को भी हमने उसी तरह नहीं देखा जिस तरह की औरंगजेब को नहीं देखा था। राणा की बहादुरी के किस्से हमने भी पढ़े हैं,सुने हैं लेकिन देखे नहीं हैं। सुमन ने भी नहीं देखे होंगे और करणी सेना ने भी। सबने उनके बारे में वैसे ही पढ़ा और सुना होगा जैसे की दूसरे नायकों,खलनायकों, अधिनायकों के बारे में पढ़ा और सुना जाता है।

अतीत के किरदारों को लेकर हमारी भावनाएं आग की तरह क्यों भडक़तीं हैं ,इसके बारे में शोध होना चाहिए। हमारी भावनाएं छुईमुई हैं जो हाल कुम्हला जातीं हैं, आहत हो जातीं है। मजे की बात ये है कि आहत भावनाओं का कोई भेषजीय उपचार नहीं है । आहत भावनाएं केवल खून-खराबा और अराजकता पैदाकर अपना इलाज खुद करना चाहती हैं। रामजीलाल सुमन पर हमला कर, करनी सेना ने हिन्दू-मुसलमान नहीं बल्कि हिन्दू -बनाम हिन्दू संघर्ष को न्यौता दिया है । एक तरफ करणी सेना के हिन्दू हैं तो दूसरी तरफ वे हिन्दू हैं जो अनुसूचित जाति के कहे और माने जाते हैं। हमारी सरकार भी यही चाहती है कि लोग इसी तरह से अपनी धार्मिक,जातीय भावनाओं को आहत करते-करते रहें और लड़ते-लड़ाते रहें। लेकिन मैं इसके खिलाफ हूँ, क्योंकि इस तरह की गतिविधियों से हमारे विश्वगुरु बनने के अभियान में खलल पड़ता है।

काश कि इस तरह के विवादों में पीड़ित पक्ष के रूप में खुद औरंगजेब या राणा सांगा की आत्माएं प्रकट होकर जंग लड़तीं। मुमकिन है कि वे लड़ती ही नहीं क्योंकि वे दोनों तो अब एक ही जगह पर पहुँच चुकी है। मरी हुई आत्माएं कभी, किसी से लड़ने नहीं आतीं ठीक वैसे ही जैसे नेहरू और इंदिरा भाजपा और माननीय मोदी जी से लड़ने नहीं आते। इसलिए हे भारतीय नागरिको, जागो ! और, बिना बात के बवाल मत काटो । बवाल काटना भी है तो उन मुद्दों पर काटो जो आपके भविष्य से जुड़े हुए हैं। वर्तमान से जुड़े हैं। अतीत के लिए वर्तमान से लड़ना कतई बुद्धिमत्ता नहीं है।

राकेश अचल

संपादकीय

भारतीय नवसंवत्सर - युगधर्म का उद्घोष बने

भारत में चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा तिथि (युगादि तिथि) से हिंदू नव वर्ष की अर्थात विक्रम संवत की शुरुआत होती है। इस वर्ष यह पावन दिन(सवंत 2082 का प्रथम दिवस) भारत में सरकारी कामकाज के लिए स्वीकृत ग्रेग्ररियन कैलेंडर जिसे हम अंग्रेज़ी/ईसाई कैलेंडर भी कहते हैं के अनुसार 30 मार्च,2025 को आ रहा है। शासन स्तर पर अंग्रेजी कैलेंडर के प्रचलन में होने के बाबजूद भारत अपनी धार्मिक, सामाजिक तथा अन्य सांस्कृतिक परंपराओं के निर्वहन के लिए भारतीय कैलेंडर को सदियों से महत्व देता रहा है।भारत की ही तरह कुछ और देश भी है जो पूरी तरह ग्रेग्रेरियन कैलेंडर को नहीं मानते हैं तथा धार्मिक आदि कारणों से अपने देश के कैलेंडर को भी महत्व देते हैं जैसे ईरान, अफगानिस्तान (हिजरी कैलेंडर), इथियोपिया (इथियोपियन कैलेंडर), नेपाल (विक्रम संवत),सऊदी अरब (इस्लामिक हिजरी कैलेंडर), चीन (चीनी चंद्र कैलेंडर), भारत (विक्रम संवत), इजरायल (हिब्रू कैलेंडर) आदि। हिन्दूओं द्वारा नव संवत्सर के प्रथम दिवस को नव वर्ष की शुरुआत के रूप में मान्यता देने के पीछे कई ठोस सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, वैज्ञानिक तथा अध्यात्मिक कारण है।ऐसी मान्यता है कि इस तिथि पर ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना आरंभ की थी(ब्रह्मपुराण) तथा कालगणना (समय-गणना) प्रारंभ की थी। इसी तिथि पर मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम तथा धर्मराज युधिष्ठिर का राज्याभिषेक हुआ था ,इसी तिथि से सतयुग आरंभ हुआ था, इसी तिथि से चैत्र नवरात्र(देवी अराधना का पर्व) आरंभ होती है तथा इसी दिन 1875 को जागरूकता और पुनर्जागरण के प्रतीक आर्य समाज की स्थापना हुई।भारतीयों के लिए नवसंवत्सर इस लिए भी अत्यधिक महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि इसकी शुरुआत न्याय के प्रतीक महाराजा विक्रमादित्य ने की थी जो वैदिक ज्योतिषीय गणनाओं पर आधारित है तथा प्राकृतिक चक्रों के अनुरूप है।वैज्ञानिक और खगोलीय दृष्टिकोण से नव संवत्सर के प्रथम दिवस पर सूर्य संक्रांति काल में होता है, चंद्रमा शुक्ल पक्ष में होता है तथा वसंत विषुव के निकट होती है अथार्त सूर्य और चंद्रमा दोनों उच्च ऊर्जा में होते हैं। प्रकृति नया चक्र शुरू कर रही होती है मसलन पेड़-पौधे नई कोंपलों को जन्म दे रहे होते हैं, फसलें पक चुकी होती हैं या पकने की स्थिति में होती हैं, और मौसम का मिजाज बदल रहा होता है।यह तिथि इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि यह लगभग संपूर्ण भारत में भारतीय नववर्ष के प्रथम दिवस के रूप में स्वीकार है, और अधिकांश भारतीय भी उसी रूप में इसका पूरे हर्ष और उल्लास से स्वागत करते हैं जैसे महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश आदि गुड़ी पड़वा के रूप में,आंध्र प्रदेश और कर्नाटक उगादि के रूप में तथा राजस्थान थापना के रूप में। वहीं सिंधी समाज इस तिथि को चेती चाँद के रूप में तथा कश्मीरी पंडितों द्वारा इस तिथि को नवरेह के रूप में मनाया जाता है। एक विचार आता है कि अंग्रेजी कैलेंडर तथा इसकी 1 जनवरी को नववर्ष के प्रथम दिवस के रूप में वैश्विक मान्यता प्राप्त है। भारत में भी अंग्रजों के शासनकाल से ही इस कलैंडर को सरकारी व निजी संस्थानों द्वारा व्यवहार में लाया जा रहा है, तथा इसकी एक जनवरी को नए साल की शुरुआती दिन के रूप में स्वीकारा जाता है। यह धर्म, जाति, भाषा या क्षेत्रीय भेदभाव से परे भी दिखाई देता है।जनता के मन में भी इसी कैलेंडर की तिथियां और माह रच-बस गए हैं, तथा अधिकांश जनता मन से या बेमन से या फिर मजबूरी बस जन्म,मरण, शादी की तिथि, नोकरी में आने की तिथि, नोकरी से सेवा निवृत्त होने की तिथि, पदोन्नति की तिथि, न्यायालय में केस दर्ज करने तथा केस मुक्त होने की तिथि, गृह प्रवेश तिथि, बेटा-बेटी के जन्म तथा विवाह की तिथि, स्कूल आदि में प्रवेश की तिथि आदि सभी महत्वपूर्ण कार्यो की तिथियों को याद रखने के लिए अंग्रेजी कैलेंडर पर निर्भर है तो फिर हिन्दू कैलेंडर (विक्रम संवत्सर) की चर्चा करना, उसके माह और तिथियों को स्मरण करना तथा उसके प्रथम दिवस को अंग्रेजी कलैंडर के नववर्ष के प्रथम दिन की तुलना में अधिक महत्व देने का क्या औचित्य है?

मेरा ऐसा मानना है कि हम भारतीयों को खुले मन से यह विचार करना होगा कि क्या अंग्रेजी नव वर्ष (1 जनवरी) पूरी तरह से पश्चिमी अवधारणा का प्रतीक नहीं है?, क्या यह हम भारतीयों को अपनी संस्कृति से दूर नहीं करता? क्या ऐसा करने से भारतीय परंपराएं और संस्कृति धीरे-धीरे कमज़ोर नहीं होती? क्या इसका कोई धार्मिक, प्राकृतिक, आध्यात्मिक आधार है? क्या इसके मनाने के तौर-तरीकों समाज में कृत्रिमता,अनैतिक गतिविधियाँ, उपभोक्तावाद को बढ़ावा नहीं देते?वहीं हमें इन प्रश्नों के उत्तर भी निष्पक्ष रूप से अपने आप से पूछना होगा कि क्या हमें प्रकृति, धर्म, संस्कृति, और परंपराओं से जुड़े तथा हिन्दू (हिन्दुस्तान) कैलेंडर को महत्व देते हुए नववर्ष के प्रथम दिवस 'गुड़ी पड़वा'को हर्ष और उल्लास से नहीं मनाना चाहिए?, क्या भारतीयों को अपनी संस्कृति की रक्षा और पहचान को बनाए रखने के लिए जाति, धर्म, राज्य से ऊपर उठकर नव संवत्सर को अधिक महत्व नहीं देना नहीं चाहिए? मेरा ऐसा मानना है कि हमें अंग्रेजी कैलेंडर तथा हिन्दू कैलेंडर के नववर्ष शुरुआत की तुलनात्मक विवेचना कर के भी देखना चाहिए। यदि हम ऐसा करते हैं तो पाते हैं कि नव संवत्सर का प्रथम दिवस हमारी अपनी परंपराओं, इतिहास और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा है, जबकि अंग्रेजी कैलेंडर की 1 जनवरी पश्चिमी परंपरा का हिस्सा है, औपनिवेशिक मानसिकता तथा सांस्कृतिक गुलामी का प्रतीक है।1 जनवरी सिर्फ एक औपचारिक तिथि परिवर्तन है, जबकि नव संवत्सर की गुड़ी पड़वा वास्तव में एक नव वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है।नव संवत्सर की गुड़ी पड़वा चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को आती है, इसके विपरीत 1 जनवरी का कोई विशेष खगोलीय या प्राकृतिक महत्व नहीं होता; यह सिर्फ ग्रेगोरियन कैलेंडर का पहला दिन है, जिसे यूरोप में ईसाई धर्म के विस्तार के साथ अपनाया गया।नव संवत्सर धर्म, सत्कर्म, शक्ति और ज्ञान की उपासना का समय है, तथा इसे एक पर्व के रूप में उपवास, हवन और पूजा-पाठ के साथ मनाया जाता है, जो मानसिक शुद्धता और स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है।जबकि 1 जनवरी आतिशबाजी, पश्चिम रंग में ढली पार्टी, मौज मस्ती और दिखावे का माध्यम बन चुका है।हिंदू नव वर्ष (नव संवत्सर) से नवऋतु (वसंत) का आगमन होता है, जिससे पर्यावरण में भी नयापन आता है। जबकि अंग्रेजी नववर्ष की शुरुआत ऐसी किसी नयेपन की ओर संकेत नहीं करती।हिन्दू नव वर्ष के प्रथम दिवस को सैलिब्रेट करने में हमें संस्कृति, परंपरा,धर्म, अध्यात्म, इतिहास, प्रकृति, विज्ञान, राष्ट्रीय एकता, स्वास्थ्य और सकारात्मकता का संकेत और दृष्टि स्पष्ट दिखाई देती है जबकि अंग्रेजी नववर्ष का इन सबसे कोई लेना देना नहीं है। मुझे लगता है कि यह संवत्सर यह भी प्रश्न करता है कि क्या तुम्हारी आधुनिकता में संस्कृति का प्राण बसता है? क्या विकास की अट्टालिकाओं में संस्कारों के दीप जलते हैं? या तुम उस पश्चिमी हवा में अपने मूल को ही तज बैठे हो? अतः मेरा सभी भारतवासियों से आग्रह है कि -यह नवसंवत्सर केवल तिथि नहीं, यह युगधर्म का उद्घोष है। यह तुम्हें पुकारता है– अपने अभ्युदय की ओर, अपने आत्मबोध की ओर, अपने स्वर को पहचानने की ओर। चेतना के इस प्रभात में अपने पूर्वजों के स्वप्नों को स्वर दो, संस्कृति को अभ्युदय दो, परंपरा को गति दो, और इस नवसंवत्सर को सच्चे अर्थों में नव बनाओ!

डा मनमोहन प्रकाश

मुंह में राम, बगल में छुरियां आखिर क्यों ?

मेरे तमाम पाठक मश्विरा देते हैं कि मुझे अब भाजपा और मोदी जी को बख्श देना चाहिए ,क्योंकि ये दोनों मुझे बीमार कर सकते है। ऐसे मित्रों को मैं अक्सर कहता हूँ कि भाजपा और मोदी जी ने मेरी भैंस नहीं खोली, इसलिए उनसे मेरी कोई अदावत नहीं है । मैं इन दोनों के खिलाफ नहीं बल्कि सत्ता प्रतिष्ठान को केंद्र में रखकर लिखता हूँ । कल यहां कोई और होगा ,आज यहां भाजपा और मोदी जी हैं। आज भी मैं भाजपा और मोदी जी को मश्विरा देने जा रहा हूँ कि -देश सेवा करना है तो अब मुंह में राम और बगल में छुरियां रखना बंद कर देना चाहिए।

मैं न मुसलमान हूँ और न रोजा रखता हूँ , लेकिन मैं भाजपा के इस ऐलान से खुश हुआ था कि आने वाली ईद को मुल्क के 32 लाख मुसलमानों को ,गरीब मुसलमानों को सौगात-ऐ- मोदी बांटी जाएगी ,लेकिन मेरी खुशी केवल एक दिन टिकी और उस समय काफूर हो गयी जब भाजपा शासित अनेक राज्य सरकारों ने मुसलमानों की खुशियां छीनने वाले फैसले कर डाले। अब या तो राज्य सरकारें माननीय मोदीजी को नीचा दिखाना चाहतीं हैं या फिर मोदी जी के इशारे पर ही मुसलमानों को दुखी करने वाले फैसले कर रहीं हैं। खबर हरियाणा से आयी है कि हरियाणा सरकार ने मुसलमानों को ईद पर मिलने वाली सरकारी छुट्टी रद्द कर दी है। तर्क ये है कि ईद की छुट्टी को गजेटेड हॉलीडे के बजाय रेस्ट्रिक्टेड हॉलीडे किया गया है। सरकारी अधिसूचना के मुताबिक सप्ताहांत होने के चलते शनिवार और रविवार (29 और 30 मार्च) को छुट्टी होगी. इसी बीच 31 मार्च (सोमवार) को फाइनेंशियल ईयर का कलोजिंग डे है. इसलिए सरकारी की ओर से यह फैसला लिया गया है । भारतीय रिजर्व बैंक ये कदम उठती है तो समझ आता है, उसने ये कदम उठाया भी है। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने सभी बैंक को 31 मार्च को काम करने और सभी सरकारी लेन-देन पूरा करने के निर्देश दिए हैं. यानी ईद की छुट्टी सस्पेंड कर दी गई है और सभी बैंकिंग सुविधाएं जारी रहेंगी लेकिन हरियाणा को छोड़ किसी और सूबे ने ये अक्लमंदी नहीं दिखाई।

मोदी जी कितने उदार हैं लेकिन उनकी पार्टी की सरकारें उतनी ही कठोर हो रही है। मोदी जी के चिर प्रतिद्वंदी माने जाने वाले उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार और नौकरशाही हरियाणा से भी आगे निकल गयी। मेरठ में पुलिस प्रशासन ने ईद की नमाज को लेकर सख्त आदेश जारी करते हुए सड़कों पर नमाज पढ़ने पर रोक लगा दी है। इस आदेश पर अब प्रदेश में सियासत हो रही है। एनडीए की सहयोगी और केंद्र सरकार में मंत्री जयंत चौधरी ने मेरठ पुलिस के इस फैसले का विरोध किया है और उसकी तुलना ऑरवेलियन 1984 की पुलिसिंग से की है। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर ये पोस्ट किया है। संभल में पीस कमेटी की बैठक बुलाकर सबको नसीहत दी गई है कि कोई मस्जिद के अलावा कहीं नमाज़ पढ़ता हुआ दिखाई दिया, तो सख्त एक्शन होगा। हरियाणा और उत्तर प्रदेश से भी एक कदम आगे 27 साल बाद दिल्ली में आयी भाजपा की सरकार नवरात्रि पर दिल्ली में मांस की दुकानें बंद करने पर आमादा है। दिल्ली में मीट और मछली की बिक्री को लेकर सरकार ने बड़ा फैसला किया है। दिल्ली में गैरकानूनी रूप से मीट, मछली बेचने पर रोक लगाई गई है। दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने इस संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। इस संबंध में प्रवेश वर्मा ने कहा कि राजधानी में अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह गैरकानूनी मीट, मछली बेचने वाली यूनिट को खत्म करें। मंत्री प्रवेश वर्मा ने साफ कहा कि कोई भी व्यक्ति गैर-कानूनी रूप से मीट और मछली नहीं बेचना चाहिए।अब इस फैसले से कौन खुश होगा और कौन नहीं ये सब बताने की जरूरत नहीं है। यानि इस बार भले ही मोदी जी की तरफ से गरीब मुसलमानों को सौगात बांटने का ऐलान किया गया हो किन्तु भाजपा शासित सरकारों ने तमाम तरह की पाबंदियां लगाकर ईद का मजा तो पहले से ही किरकिरा कर दिया है।

इस मुल्क में सड़क पर कांवड़ यात्राएं वर्षो से निकल रहीं है। धार्मिक जुलूस निकाले जाते है । हर धर्म के लोग जुलूस निकलते हैं लेकिन परेशानी अलविदा की नमाज से है। अलविदा की नमाज से क़ानून और व्यवस्था की स्थिति खराब होती है। अरे मिया ! सड़क पर नमाज कोई पूरे दिन तो नहीं होती ! कुछ देर के लिए उसी तरह ट्रेफिक को मोड़ा जा सकता है जिस तरह मंत्रियों की सभाओं के लिए मोड़ा जाता है, लेकिन ये कसरत कौन करे? क्यों करे ? मुसलमान इस मुल्क के नागरिक थोड़े ही हैं। सारी पाबंदियां उन्हीं के लिए हैं। बहुसंख्यक महाराष्ट्र के अहिल्यनगर में ख्वाजा चिश्ती की दरगाह पर बवाल काट सकते हैं,वहां भगवा फहरा सकते हैं। शायद यही गजबा -ऐ-हिन्द का जबाब भगवा -ऐ- हिन्द है और वो भी सरकार की तरफ से। गनीमत है कि ईद के चाँद पर हमारी भाजपा सरकार का नियंत्रण नहीं है अन्यथा ये भी मुमकिन था की चाँद को या तो निकलने ही नहीं दिया जाता या फिर उन मोहल्लों में चादरें तान दी जातीं हैं जहाँ चाँद देखना एक रिवायत है।

बलदेव राज भारतीय

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त ख़बरें

चेयरमैन के गुर्गों ने सभासद को जान से मारने का किया प्रयास

बिसवां/सीतापुर। बिसवां नगर पालिका के वरिष्ठ सभासद अशोक कुमार गुप्ता जो कि पेशे से वकील हैं। नगर पालिका बोर्ड की मीटिंग में जब उन्होंने सिस्टम में व्याप्त भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया तो चेयरमैन और उनके गुर्गों को यह इतना नागवार गुजरा कि उन पर जानलेवा हमले की साजिश के तहत गुर्गों ने सभासद का उनके घर तक जहां पीछा किया वहीं उनको अपशब्दों के साथ धमकाने में कोई कोर कसर बाकी नहीं रखी। मुख्यमंत्री महोदय को भेजे गए पत्र के माध्यम से सभासद ने बताया कि बोर्ड की बैठक से जब वह बाहर आए तो पालिका अध्यक्ष का मुंह लगा गुर्गा नीरज मिश्रा पुत्र इंद्र कुमार निवासी मोहल्ला गोपाल नगर जो अपने साथियों के साथ नगर पालिका भवन के गेट पर खड़ा था उसने अपशब्दों के साथ उन पर हमला बोलते हुए कहा कि मैं चेयरमैन का प्रतिनिधि हूं तुम्हारी औकात क्या है जो तुम मीटिंग में भ्रष्टाचार की बात करते हो इसके बाद चेयरमैन के गुर्गों ने उनकी हत्या करने की साजिश के तहत उनके घर तक उनका पीछा भी किया। क्योंकि उनका घर काफी भीड़भाड़ वाली जगह पर स्थित है इसी वजह से वह अपने मकसद में कामयाब नहीं हो पाए। सभासद ने बताया कि अपने को चेयरमैन का प्रतिनिधि बताने वाला यह गुर्गा नगर पालिका में टैक्स विभाग के कक्ष में बैठकर जनता व कर्मचारियों से अवैध वसूली करता है। नगर पालिका के भवन में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों के कनेक्शन केवल इसीलिए काट दिए गए हैं कि यहां जो कुछ भी चल रहा है उसका किसी को पता न चल सके। नगर पालिका परिषद भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुकी है और जो भी इस व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाने का प्रयास करता है उसकी आवाज बलपूर्वक दबा दी जाती है।

युवती ने संदिग्ध परिस्थितियों में लगाई फांसी

मिश्रिख (सीतापुर)। कस्बा मिश्रिख के मोहल्ला सीताकुंड वार्ड नंबर 2 निवासी वारिस की पुत्री ने आज एक मनचले से तंग आकर रात में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पीड़ित ने मांमले की तहरीर प्रभारी निरीक्षक को देकर आरोपी के विरुद्ध कार्यवाही करने की मांग की है। आपको बता दें कि कस्बा मिश्रिख के सीता कुंड वार्ड नंबर 2 निवासी वारिस की 20 वर्षीय पुत्री को मोहल्ला रामनगर निवासी एक मनचला युवक आए छेड़ता था। फोटो, वीडियो बनाकर उसको बदनाम करने की धमकी दे रहा था। जिससे उसने तंग आकर आज रात में अपने घर के बाहर खड़े यूकेलिप्टिस के पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सुबह जब घर के सोकर जागे और पुत्री की तलास की तो वह फांसी के फंदे से लटक रही थी। परिवारीजनों ने घटना की सूचना स्थानीय कोतवाली पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कराकर पोस्ट मार्टम हेतु जिला मुख्यालय भेज दिया है। परिवारीजनों ने आरोपी के विरुद्ध नामजद लिखित तहरीर प्रभारी निरीक्षक को देकर आरोपी के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने की मांग की है। मांमले प्रभारी निरीक्षक अरविंद सिंह का कहना है। कि पोस्ट मार्टम रिपोर्ट आने के बाद मांमले की जांच कराकर आरोपी के बिरुध्द सख्त कार्यवाही की जाएग।

आंगनबाड़ी कार्यकत्री भर्ती में धांधली का आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग

कमलापुर, सीतापुर। (उत्तर प्रदेश)। ग्राम किंधौलिया, ब्लॉक कसमांडा, तहसील सिधौली की निवासी ममता देवी ने ग्राम पंचायत बसंतपुर में आंगनबाड़ी कार्यकत्री भर्ती प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। ममता देवी ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से मुलाकात कर एक लिखित शिकायत सौंपी, जिसमें उन्होंने उल्लेख किया कि उन्होंने 7 अप्रैल 2024 को आंगनबाड़ी कार्यकत्री के पद के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था (पंजीकरण संख्या- LWW/71/1829/365511)। उनका वरियताक्रम में प्रथम स्थान था और उनकी वार्षिक आय मात्र ?36,000 होने के कारण उन्हें नियमों के अनुसार प्राथमिकता मिलनी चाहिए थी। लेकिन विभागीय अधिकारियों द्वारा भ्रष्टाचार करते हुए मनमाने ढंग से दूसरी उम्मीदवार का चयन कर लिया गया। ममता देवी ने आरोप लगाया कि चयनित उम्मीदवार ने आवेदन की प्रक्रिया पूरी नहीं की थी और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भर्ती में प्रवेश पाने का प्रयास किया।

उन्होंने यह भी कहा कि उक्त उम्मीदवार आर्थिक रूप से सक्षम हैं और राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल कर रही हैं। भर्ती प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर पैसों की मांग की गई और अधिकारियों की मिलीभगत से गलत चयन किया गया। ममता देवी के अनुसार, जब वे अपनी शिकायत लेकर सीडीपीओ कार्यालय गईं, तो उनसे रिश्वत की मांग की गई। उन्होंने यह भी चिंता जताई कि भर्ती प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लिखित परीक्षा आयोजित नहीं की गई, जिससे मनमाने तरीके से भर्तियां करने की आशंका उत्पन्न होती है। उन्होंने उपमुख्यमंत्री से अपील की कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। साथ ही, दोषी अधिकारियों एवं उम्मीदवारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। यह मामला सिर्फ ममता देवी की न्याय की लड़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सरकारी भर्तियों में पारदर्शिता और ईमानदारी बनाए रखने के लिए भी महत्वपूर्ण है। प्रशासन से अपेक्षा की जाती है कि वह इस मामले में त्वरित संज्ञान लेते हुए न्याय सुनिश्चित करे

यूपी नर्सिंग शासी समिति चुनाव में लगा अनियमितता का आरोप, दोबारा उठी चुनाव की मांग

.....पीएम, सीएम समेत जिम्मेदार अधिकारियों को भेजा शिकायती पत्र

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी लखनऊ मे ऑल इंडिया रजिस्टर्ड नर्सेज फेडरेशन ने यूपी नर्सिंग एवं मिडवाइफरी काउंसिल के शासी समिति चुनाव में अनियमितताओं का आरोप लगाया है। फेडरेशन ने आरोप लगाते हुए बताया कि चुनाव में पारिदर्शिता नहीं बरती गई है। नर्सिंग कैडर के अधिकारियों द्वारा इसका उल्लंघन किया गया है। फेडरेशन ने पीएम, सीएम समेत जिम्मेदारों को भेजते हुए शिकायती पत्र में चुनाव को तत्काल निरस्त करने की मांग उठायी है। उन्होंने निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के तहत दोबारा चुनाव कराए जाने की मांग करते हुए कहा कि सभी पंजीकृत नर्सेज को चुनाव प्रक्रिया में समान रूप से भागीदारी का अवसर प्रदान किया जाए। ऑल इंडिया रजिस्टर्ड नर्सेज फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष अनुराग वर्मा ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी जानकारियां नर्सिंग कैडर से छुपायी गईं। काउंसिल के कई खाली पद होने के बावजूद इन्हें भरने के लिए कोई उपयुक्त और पारदर्शी प्रक्रिया नहीं अपनाई गई, इससे चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। तीन सितंबर 2024 को छह सदस्यीय समिति का गठन किया गया, लेकिन चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी नहीं थी। इससे नर्सिंग समुदाय में भारी असंतोष व्याप्त है वहीं फेडरेनशन ने आन्दोलन की चेतावनी दी है।

किसान का शव पड़ोसी के घर बरामद , मृतक की पत्नी ने लगाया हत्या का आरोप

.....पत्नी का आरोप जहर देकर पति की ली गई जान
.....साठ हजार रुपए साथ ले गए किसान की जेब से पैसे मिले गायब

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ राजधानी लखनऊ के निगोहां थाना क्षेत्र के पुरहिया गांव में साठ हजार रुपये लेकर सीमेंट सरिया लेने निकले एक किसान का शव संदिग्ध परिस्थितियों में उसके साथी के घर मे पड़ा मिला। सूचना पर पहुचे परिवारीजनो ने किसान को एम्बुलेंस की मदद से निगोहां के निजी अस्पताल लेकर पहुचे जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के पास से रुपए गयब मिले सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मृतक की पत्नी ने जहर देकर मारने का लगाया आरोप

निगोहां क्षेत्र के पुरहिया गांव निवासी संध्या तिवारी ने बताया कि उसके पति पवन तिवारी बुधवार सुबह 9 बजे सीमेंट सरिया लेने की बात कहकर घर से 60 हजार रुपये लेकर निकले थे वहीं देर शाम गांव के ही रामबली तिवारी की मां द्वारा उन्हें सूचना मिली कि तुम्हारा पति उसके घर मे बेसुध पड़ा हुआ है इस पर पहुंचे परिवारीजनो ने पवन को एम्बुलेंस की मदद से निगोहां के निजी अस्पताल लेकर पंहुचे जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद परिवारीजनो ने कंट्रोल रूम पर पुलिस को सूचना दी। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया मृतक के पास से रुपए गयब मिले मृतक की पत्नी ने जहर देकर मारने का आरोप लगाते हुए निगोहां पुलिस को सूचना दी।

निगोहां इंस्पेक्टर अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि मृतक पवन तिवारी नशेड़ी प्रवृत्ति का व्यक्ति था जांच की जा रही है, जांच और पोस्मार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे कि विधिक कार्यवाही की जाएगी।

ग्राम भिउरा में शौचालय और बाथरूम का गंदा पानी सड़क पर गिराने से ग्रामीणों में आक्रोश

स्वतंत्र प्रभात

अहिरौली, अंबेडकर नगर। थाना क्षेत्र के ग्राम भिउरा (हटीवा) में शौचालय और बाथरूम का गंदा पानी सार्वजनिक रास्ते में गिराए जाने से ग्रामीणों में आक्रोश है। स्थानीय निवासियों ने इस मुद्दे को लेकर विरोध दर्ज कराया और थाना अहिरौली में शिकायत दी है। ग्रामवासियों राम अजोर, छोटे लाल, रमेश आदि ने बताया कि गांव के ही निवासी जाफरअली पुत्र मोहम्मद रजा जानबूझकर कोटेदार मोहम्मद शरीफ के पर बल अपने शौचालय व बाथरूम का गंदा पानी सड़क पर गिरा रहे हैं। इस वजह से रास्ते पर कीचड़ और बदबू फैल रही है, जिससे पूरे गांव के लोग परेशान हैं। ग्रामीणों के विरोध करने पर आरोपितों ने जातिसूचक (चमार) शब्द का प्रयोग करके गालियां देते हुए धमकी दी कि अगर दोबारा विरोध किया तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। पीड़ितों का कहना है कि पहले भी इस समस्या को लेकर सुलह हुई थी, लेकिन अब फिर से यह समस्या खड़ी हो गई है। इस मामले को लेकर ग्रामीणों ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है ताकि सार्वजनिक रास्ते पर गंदगी फैलाने पर रोक लगाई जा सके और गांव का वातावरण स्वच्छ बना रहे।

उत्कृष्ट कार्य के लिए पंद्रह लाख रुपए से नवाजी गई गोडवा पंचायत

स्वतंत्र प्रभात

माल, लखनऊ। विकास कार्यों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्राम पंचायत गोड़वा के प्रधान वीरेंद्र शुक्ला को पंद्रह लाख रुपए की धनराशि से पुरस्कृत किया गया। आपको बता दें कि विकासखंड माल की ग्राम पंचायत गोड़वा बरौकी में ग्राम प्रधान वीरेंद्र शुक्ला द्वारा उत्कृष्ट कार्य करवाए गए हैं।पंचायत विकास कार्य होने से ग्राम पंचायत चमक उठी है। ग्राम प्रधान ने अन्नपूर्णा भवन,अमृत सरोवर,हाईटेक पंचायत भवन,स्कूलों का कायाकल्प, इज्जतघर, पर्यावरण और हरियाली के विद्यालयों में पौधरोपण, गांव में नाली और सड़कों के विकास के लिए काम कराया है। जिससे ग्राम पंचायत के लोगों को सुविधाएं मिली है।वीरेंद्र शुक्ला ने बताया कि उनके अंदर समाज सेवा का जुनून हुआ तो वह समाजसेवा के लिए आगे बढ़े। जिसमें जनता मतों के साथ साथ प्यार व स्नेह देकर ग्राम प्रधान बनाया। पंचायत में उनके प्रयासों ने विकास की नई ऊंचाइयां दी है। सहयोग राशि से सम्मानित ग्राम पंचायत गोड़वा बरौकी के प्रधान वीरेंद्र शुक्ला की कार्यों की रफ्तार इतनी तेज थी कि दूर तक सुनाई दी।उनके द्वारा कराए गए उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए सरकार द्वारा पंद्रह लाख रुपए की धनराशि से नवाजे गए।सरकार पुरस्कार मिलने पर ग्राम पंचायत में खुशी है।

लहरपुर के प्रतिष्ठित व्यापारी को मिला राज्य कर सम्मान

स्वतंत्र प्रभात

लहरपुर सीतापुर केंद्र सरकार के 10 साल व उत्तर प्रदेश सरकार के 8 साल बेमिसाल कार्यक्रम के अंतर्गत जहां पूरे प्रदेश में विभिन्न प्रकार के प्रशासनिक व राजनैतिक आयोजन किए जा रहे हैं वहीं प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा बेहतर सेवाओं को देने वाले उद्योग संचालकों, व्यापारियों व स्वयं सहायता सेवा समूहों, प्रगतिशील किसानों को प्रदेश सरकार के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया जा रहा है इसी क्रम में बीते बुधवार को जिला मुख्यालय पर आयोजित केंद्र सरकार के 10 साल व प्रदेश सरकार के 8 साल बेमिसाल कार्यक्रम में लहरपुर नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी मनोज कुमार गुप्ता को जनपद स्तर पर शानदार जीएसटी शुल्क जमा करने में जिलाधिकारी अभिषेक आनंद द्वारा सम्मानित किया गया जिसकी सूचना मिलने पर मनोज कुमार गुप्ता को इस बेहतर कामयाबी के लिए नगर व क्षेत्र के बुद्धिजीवियों समाजसेवियों राजनैतिकों व व्यापारियों की शुभकामनाएं व बधाई संदेश मिलने लगे हैं गौरतलब हैं कि लहरपुर नगर के निवासी मनोज कुमार गुप्ता खुशी केमिकल्स व खुशी इंटरप्राइजेज के नाम से प्रतिष्ठान है प्रदेश सरकार के कर विभाग द्वारा खुशी केमिकल्स को बेहतरीन सेवाओं के लिए इसके प्रोपराइटर मनोज कुमार गुप्ता को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर उत्तर प्रदेश राज्य कर विभाग द्वारा सम्मानित किया गया जिससे लहरपुर नगर का भी गौरव बढ़ा है इस अवसर पर उत्तर प्रदेश व्यापार कर विभाग के संयुक्त आयुक्त कार्यपालक राम मूरत व सहायक आयुक्त सीतापुर विभाग जयेश वर्मा सहित जनपद के अनेक विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

चंद्रभानु में सात दिवसीय एनएसएस शिविर का समापन

मैं नहीं आपकी भावना से करे काम तभी होगा सशक्त समाज का निर्माण : डॉ सत्येंद्र

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर 27 मार्च चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर का का समापन हुआ समापन समारोह के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के अध्यक्ष डॉ फिदा हुसैन अंसारी ने कहा कि एनएसएस समाज को निर्माण करने वाली संस्था है इसमें सेवा भाव से कार्य करने हेतु छात्र -छात्राओं को ट्रेनिंग दी जाती है। एनएसएस यूनिट के समन्वयक में डॉ आशुतोष श्रीवास्तव ने बताया कि शिविर के अंतिम दिन कयी प्रतियोगिताएं कराई गई थी जिसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार वितरित किए गए। वाद -विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ग्रेसी सिंह, द्वितीय स्थान अनुष्का सिंह एवं तृतीय स्थान सत्येंद्र कुमार का रहा वहीं पर पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अनामिका द्वितीय स्थान संचित कुमार एवं तृतीय स्थान ज्योति सिंह को मिला तथा आर्ट एवं क्राफ्ट मेकिंग प्रतियोगिता कराई गई जिसमें शालू के द्वारा अच्छा क्राफ्ट बनाया गया। छात्र-छात्राओं ने काकोरी कांड पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया जो सभी को बहुत भाया। मंच का संचालन डॉ आशुतोष श्रीवास्तव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह ने किया डॉ सिंह ने धन्यबाद ज्ञापन में कहा कि छात्रों को ÷मैं नहीं आपकी÷ भावना से काम करना चाहिए और अपने नैतिक मूल्य को ध्यान में रखते हुए समाज निर्माण में अपनी सहभागिता देनी चाहिए। शिविर के अंतिम दिन महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी शिवमंगल चौरसिया, शिव बहादुर सिंह चौहान, डॉ दीप्ति श्रीवास्तव, डॉ उपमा त्रिपाठी, डॉ स्वाहा सी चंदा, डॉ रश्मि पांडे, डॉ एल पी यादव, डॉ जसकरन सिंह, डॉ एच एन तिवारी, डॉ धर्मेश कुमार सिंह इंजीनियर विपुल अग्रवाल, जितेंद्र कुमार बाजपेई, रणजीत सिंह, श्रीमती प्रतिमा सिंह, डॉ उरूज आलम सिद्दीकी, कुलानुशासक डॉ योगेंद्र कुमार सिंह सहित 210 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभा किया राष्ट्रगान के साथ शिविर का समापन किया गया।

राज्य सरकार के आठ साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात

बीकेटी। स्थानीय नगर पंचायत में प्रदेश सरकार की सेवा, सुरक्षा व सुशासन की नीति के आठ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर निकाय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक योगेश शुक्ला, गनेश रावत अध्यक्ष नगर पंचायत बीकेटी, इन्द्र भान अधिशासी अधिकारी, योगेन्द्र शुक्ला, ब्रांड एम्बसेडर, डॉ0 सत्येन्द्र कुमार सिंह, ब्रांड एम्बसेडर एवं समस्त सम्मानित सदस्यण उपस्थित रहे। जिसमें विधायक व अध्यक्ष द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं व उपलब्धियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी, तथा विभिन्न योजनाओं द्वारा निकाय में कराये गये विकास कार्यों की जानकारी दी गयी। इसके साथ ही निकाय में अच्छा कार्य करने वाले सफाई मित्रों को विधायक व अध्यक्ष, एवं अधिशासी अधिकारी के द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम में तमाम लोग उपस्थिति रहे।

सेंट मैरी अस्पताल पर अवैध कब्जे का आरोप, पीड़िता ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर दर्ज कराई शिकायत

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के जानकीपुरम क्षेत्र में एक प्लॉट पर अवैध कब्जे को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। पीड़िता रोली सिंह, पत्नी रंजीत सिंह, ने आरोप लगाया है कि सेंट मैरी अस्पताल द्वारा उनके फ्री होल्ड प्लॉट (P-18, सेक्टर-जे, जानकीपुरम) पर लगभग 2 फीट का अवैध कब्जा कर लिया गया है, जिससे उनका निर्माण कार्य रुक गया है। पीड़िता के अनुसार, उन्होंने यह प्लॉट लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) से विधिवत रीसेल में खरीदा था, ताकि वहां दुकान बनाकर अपनी जीविका चला सकें। लेकिन जब उन्होंने निर्माण कार्य शुरू किया तो अस्पताल द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया। इस संबंध में जब उन्होंने अस्पताल के प्रबंधक, डॉ. विनोद जोसफ से वार्ता की, तो उन्होंने कब्जा हटाने से साफ इनकार कर दिया। अपने हक की लड़ाई में न्याय की गुहार लगाते हुए, रोली सिंह ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने लखनऊ विकास प्राधिकरण से मांग की है कि सेंट मैरी अस्पताल द्वारा किए गए इस अवैध कब्जे को जल्द से जल्द हटवाया जाए, ताकि वह अपने व्यवसाय की शुरुआत कर सकें। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है और क्या पीड़िता को न्याय मिल पाता है या नहीं।

जनपद में जनकल्याणकारी योजनाओं का भव्य वितरण समारोह का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

गोंडा। उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल जी ने गुरुवार को गोंडा जिले का दौरा किया। जहां पर उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को लाभान्वित किया। इस अवसर पर उन्होंने 200 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्री स्कूल किट, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा पोषण अभियान अन्तर्गत पोषण पोटली, स्वास्थ्य विभाग द्वारा बालिकाओं को हाईजीन किट, स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रधानमन्त्री जन आरोग्य योजनान्तर्गत आयुष्मान कार्ड वितरण, राजस्व विभाग द्वारा भूमि सुधार योजनान्तर्गत आवासीय पट्टा, दिव्यांगजन सशक्तीकरण योजनान्तर्गत दिव्यांगजनों को उपकरण, स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजनान्तर्गत छात्रों को टैबलेट, जिला ग्रामोद्योग विभाग द्वारा खादी नीति अन्तर्गत पापकार्न मशीन, मैजीपुर चीनी मिल द्वारा महिलाओं को सिलाई मशीन वितरण, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा चयनित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र का वितरण। कार्यक्रम के दौरान माननीय राज्यपाल ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, ताकि जरूरतमंदों तक इनका लाभ पहुंच सके।कार्यक्रम में लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज की छात्राओ द्वारा दिए गए प्रेरणादायक उद्बोधन और आंगनबाड़ी के बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी राज्यपाल जी ने अवलोकन किया और उनकी प्रशंसा की। इस अवसर पर राज्यपाल जी ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों को प्रारंभ से ही सही संस्कार और शिक्षा देने से वे आत्मनिर्भर बनेंगे और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य किसी भी व्यक्ति के जीवन के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ होते हैं, और सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे और प्रत्येक नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त हो। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि शिक्षा और स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचे और कोई भी व्यक्ति इनसे वंचित न रहे। उन्होंने बच्चों द्वारा किये गये योग कार्यक्रम की सराहना की और सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर योग का कार्यक्रम प्रतिदिन कराने को कहा, साथ ही कहा कि इससे स्वस्थ बच्चों का निर्माण होगा। महामहिम राज्यपाल ने गोंडा की जनता से अपील करते हुए कहा कि गोंडा से बाल विवाह और दहेज प्रथा को जड़ से समाप्त करें, सभी लोग संकल्प लें कि जनपद में कोई भी बाल विवाह नहीं होने दिया जाएगा तथा दहेज प्रथा को जड़ से खत्म कर दिया जाएगा। गोंडा वासियों को गोंडा को बाल विवाह एवं दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों से मुक्त बनाना है।

जानकीपुरम विस्तार के निवासियों को मिला ग्रीन बेल्ट सौंदर्यीकरण का उपहार, जल्द शुरू होगा कार्य

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। जानकीपुरम विस्तार योजना के सृष्टि, स्मृति और सरगम अपार्टमेंट के सामने स्थित ग्रीन बेल्ट के सौंदर्यीकरण की बहुप्रतीक्षित मांग आखिरकार पूरी होने जा रही है। लखनऊ जनकल्याण महासमिति के उपाध्यक्ष विवेक शर्मा द्वारा पिछले वर्ष लखनऊ विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष से इस संबंध में अनुरोध किया गया था। इस निवेदन के परिणामस्वरूप, LDA उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने ग्रीन बेल्ट के सौंदर्यीकरण के लिए 72 लाख की अवस्थापना निधि स्वीकृत कर दी है। कुर्सी रोड के सौंदर्यीकरण और ग्रीन बेल्ट को व्यवस्थित करने हेतु आज एक टीम ने क्षेत्र का सर्वेक्षण किया। कार्य की औपचारिक शुरुआत जल्द ही क्षेत्रीय विधायक डॉ. नीरज बोरा द्वारा की जाएगी। इस पहल से अपार्टमेंट वासियों को एक सुव्यवस्थित और हरियाली से भरपूर वातावरण मिलेगा, जिससे क्षेत्र की सुंदरता और जीवन स्तर में सुधार होगा। निवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी सृष्टि, स्मृति और सरगम अपार्टमेंट के सामने की ग्रीन बेल्ट में बेतरतीब ढंग से लगे पेड़ों और अव्यवस्था के कारण वर्षों से रखरखाव की समस्या बनी हुई थी। इस मुद्दे को विवेक शर्मा द्वारा प्रमुखता से उठाया गया था, जिसके बाद प्राधिकरण ने आवश्यक कार्रवाई की। अब जल्द ही इस ग्रीन बेल्ट का सौंदर्यीकरण होगा, जिससे जानकीपुरम विस्तार में हरियाली बढ़ेगी और अपार्टमेंट्स की सुंदरता निखरेगी। स्थानीय निवासियों ने इस फैसले पर प्रसन्नता जाहिर की है और लखनऊ विकास प्राधिकरण का आभार व्यक्त किया है।

संक्षिप्त ख़बरें

केशव नगर मदरसा स्काई चिल्ड्रेन एकेडमी के 2 बच्चों का नवोदय विद्यालय में हुआ चयन।

मनकापुर गोण्डा। क्षेत्र के केशव नगर ग्रांट पश्चिमी कैदराबाद में मदरसा स्काई चिल्ड्रेन एकेडमी विद्यालय कक्षा पांच के दो छात्रों दिव्यांश वर्मा पुत्र दिनेश कुमार वर्मा केशव नगर ग्रांट पश्चिमी और युवराज वर्मा पुत्र विजय प्रताप वर्मा मनकापुर चौबेपुर इन दोनों छात्रों का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय कक्षा छह में हुआ हैं। दो बच्चों का चयन होने पर विद्यालय में खुशी का माहौल हैं।बृहस्पतिवार को मुख्य अतिथि अरुण प्रताप सिंह उर्फ डिम्पल सिंह ने दोनों छात्रों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया, और कहा कि नवोदय मे कक्षा छह में अपने मेहनत से स्थान पक्का करके अपने गुरुजनों, अभिभावकों व सभी मार्गदर्शकों का नाम रोशन किया है ।विद्यालय के प्रबंधक जावेद खान , एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक के.के.यादव, अध्यापक अभय प्रताप मिश्रा ने भी इन दोनों छात्रों को सम्मानित किया। बच्चों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने अभिभावकों और गुरुजनों को दिया है। बच्चों की इस उपलब्धि पर क्षेत्र में खुशी की लहर है।

बलिया में कक्षा 1 के छात्र को शिक्षक ने बेरहमी से पीटा

बलिया (यूपी)। शिक्षा क्षेत्र रेवती से दिल को झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। मामला कंपोजिट विद्यालय रेवती (वार्ड नंबर 8) है, जहां आइसक्रीम खरीदने गए कक्षा एक के छात्र को विद्यालय के शिक्षक ने बेरहमी से पीट दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला संवाददाता सैयद सेराज अहमद ने बताया कि शिक्षक की पिटाई से छात्र के हाथ और पीठ पर गंभीर चोटें आई है। इससे छात्र न सिर्फ सदमे, बल्कि बहवास स्थिति में है। छात्र का एक वीडियो भी सामने आया है। वायरल वीडियो में छात्र डरा सहमा दिख रहा है। वह बता रहा है कि बर्फ खरीदने गया था, लौटा तो सर जी ने उसे डंडे से मारा। छात्र पीटने वाले सर का नाम भी बता रहा है। वायरल वीडियो में छात्र के शरीर पर छड़ी के चोट से बने निशान भी दिख रहा है। वहीं, वीडियो का संज्ञान बीएसए मनीष कुमार सिंह ने लिया है। बीएसए ने कहा है कि खण्ड शिक्षा अधिकारी को जांच सौंपी गई है। रिपोर्ट मिलते ही सम्बंधित शिक्षक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी।

सैंती में हैंडपंप मरम्मत में घोटाले का आरोप: बिना काम के निकाल लिए 82 हजार रुपए, एक दिन में 3 बार निकाली रकम

टड़ियावां/ हरदोई विकास खंड टड़ियावा

में हैंडपंप मरम्मत के नाम पर बड़ा घोटाला सामने आया है। सैंती ग्राम पंचायत में ग्राम प्रधान और सचिव ने मिलकर बिना काम कराए ही लाखों रुपये निकाल लिए। इस मामले में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से शिकायत की है।ग्राम पंचायत सैंती के निवासी मोनू गाजी ने डीएम को बताया कि गांव में पिछले 4 साल से कई इंडिया मार्का हैंडपंप खराब पड़े हैं। गर्मी के मौसम में इससे पानी की गंभीर समस्या हो सकती है। नाजिर के घर के पास, महेंद्र और भयन्नू के घर के पास लगे हैंडपंप पिछले 4 साल से काम नहीं कर रहे हैं। वही मंगल बाग बाजार में भी हैंडपंप खराब है, जिससे राहगीरों को परेशानी होती है।

अजय झा ने बस स्टैंड का डाक किया अपने नाम, 33 लाख 92 हजार रुपए की लगी उच्चतम बोली।

बहादुरगंज (किशनगंज)- नगर पंचायत बहादुरगंज के कार्यपालक पदाधिकारी अतिउर्रहमान के कार्यालय वैश्म में जहान अली मस्तान बस पड़ाव एल आर पी चौक का डाक प्रक्रिया सम्पन्न हुआ। काफ़ी जद्दो जहद के बाद कुल 87 राउंड चले डाक प्रक्रिया में अजय झा ने सबसे ऊंची बोली 33 लाख 92 हजार रुपए लगाकर वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बस स्टैंड का डाक अपने नाम कर लिया है, जबकि पिछले साल डाक की अधिकतम बोली 21 लाख 82 हजार 7 सौ रुपए थी। इस दौरान मुख्य रूप से इस निलामी में शामिल रहें नप कार्यपालक पदाधिकारी अतिउर रहमान,पार्षद बन्टी सिन्हा, वार्ड पार्षद आफताब आलम, शहबाज अनवर, प्रधान लेखापाल फुल कुमार इश्तेहार आलम सहित अन्य उपस्थित थे।

विद्यालय में बने स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब व बाउंड्री वॉल और भवन रिनोवेशन का लोकार्पण

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। महात्मा गौतम बुद्ध उत्तर माध्यमिक विद्यालय जोगिया में गुरुवार को एडसिल इंडिया लिमिटेड के तत्वाधान में एक हेल्थ कैंप का उद्घाटन और महात्मा गौतम बुद्ध उत्तर माध्यमिक विद्यालय जोगिया में स्थापित दो स्मार्ट क्लास तथा एक कंप्यूटर लैब ,साथ ही बाउंड्री वॉल और भवन रिनोवेशन का लोकार्पण मुख्य अतिथि गोविंद जायसवाल आईएएस संयुक्त सचिव शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार तथा अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक एडसिल द्वारा लोकार्पण किया गया । विद्यालय में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया मुख्य अतिथि द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, पुष्पार्चन कर नमन किया गया तथा दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ।प्रधानाचार्य बृजेश द्विवेदी द्वारा आए हुए अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया ,छात्राओं द्वारा सभी अतिथियों को स्वयं का बनाया बुके भेंट किया। विद्यालय की प्रबंध समिति की अध्यक्ष कविता साहनी द्वारा मुख्य अतिथि को अंग वस्त्र तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी प्रभु दयाल विद्यार्थी से जुड़ी यादों का मोमेंटो भेंट किया ।अतिथियों ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी प्रभु दयाल विद्यार्थी

की समाधि स्थल पर माल्यार्पण कर पुष्पार्चन कर नमन किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि तथा अन्य अतिथियों द्वारा हेल्थ कैंप का निरीक्षण किया गया तथा एक-एक डॉक्टर से परिचय प्राप्त करते हुए उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं को देखा गया। इस अवसर पर कैप में उपस्थित मरीजों को जांच करके दवाएं तथा सभी को फर्स्ट एड किट प्रदान किया गया इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी गौरव श्रीवास्तव, आईपीएस चन्दन चौधरी, जिला विद्यालय निरीक्षक प्रकाश सिंह,खंड शिक्षा अधिकारी कमला प्रसाद, एडसिल के सीजीएम प्रदीप सिंह सिसोदिया डिप्टी जीएम नंदीश जी मैनेजर एम बी नदाफ , हेल्थ कैंप मैनेजर कुलदीप सिंह चौहान डॉक्टर शिवम डॉक्टर विशाल मिश्रा डॉक्टर साक्षी मिश्रा नर्सिंग स्टाफ लैब टेक्नीशियन रामसेवक साहनी ,उप प्रबंधक विशुनकुश साहनी विद्यालय प्रबंध समिति की अध्यक्ष कविता साहनी , प्रबंध समिति की कोषाध्यक्ष चमेली देवी,लक्ष्मी सिंह सोनाली देवी ,अरुण लाल श्रीवास्तव, अंगद प्रसाद,दिनेश धर द्विवेदी, दुर्गेश,राजन गोंड मुनीराम, शीतल मिश्रा गोपाल साहनी, रोहित साहनी,बब्लू साहनी, चन्देव यादव जिला पंचायत सदस्य आदि लोग मौजूद रहे

सिलापथार में केंद्रीय महासती जयमती स्मृति दिवस 2025 पालन

स्वतंत्र प्रभात

पधेमाजी असम। सिलापथार शाखा नाट्य सम्मेलन, सिलापथार शाखा साहित्य सभा, सिलापथार आंचलिक ताई अहोम छात्र संस्था, सिलापथार क्षेत्रीय असम जातीयतावादी युवा छात्र परिषद और सिलापथार लेखक और महिला समाज ने आज सिलापथार पब्लिक हॉल में एक दिवसीय कार्यक्रम के साथ सिलापथार केंद्रीय महासती जयमती स्मृति दिवस 2025 का आयोजन किया। सुबह सामूहिक सफाई, वृक्षारोपण, ध्वजारोहण और शहीदों की श्रद्धांजलि अर्पण के बाद सिलापथार शहर में विशाल सांस्कृतिक जुलूस निकाला गया। दोपहर का सांस्कृतिक कार्यक्रम में गायन और नृत्य के साथ शुरू हुआ। जिसमें सिलापथार क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आमंत्रित कलाकारों ने आई नाम, बिया नाम, मरान बिहू, बिहू नृत्य, जेंग बिहू, देउरी, सोनवाल, मिचिंग लोक नृत्य और आहूम लाओ लुंग खाम नृत्य प्रस्तुत किया। सेवानिवृत्त शिक्षक लखीनाथ बोड़ा द्वारा की गई स्वागत समारोह के बाद शिक्षाविद् चित्रा

बरगोहाई के अध्यक्षता में एक बैठक किया गया, बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में शिवसागर से निजरा हैंडीकी ने भाग लिया और,सती साधिनी की जयमती, मूला गवरु और कनकलता के जीवन संघर्ष पर प्रकाश डाला। उन्होंने अहोमों की वीरता और वृहत्तर असम के निर्माण में आहुम लोगों की योगदान के बारे में भी विस्तार से बताया। बैठक में धेमाजी जिला साहित्य सभा के अध्यक्ष बिनोद गोगोई, सिलापथार शाखा साहित्य समिति के अध्यक्ष विजय कोंवर, शिक्षाविद् गकुल शैकिया, सामाजिक कार्यकर्ता दुलाल बरुआ, स्वागत समिति सलाहकार भूगेश ताये सहित भारी संख्या में लोगों शामिल हुए।

बिहार के सरकारी डॉक्टरों की तीन दिवसीय हड़ताल ओपीडी सेवाएं ठप, मरीजों को भारी परेशानी

स्वतंत्र प्रभात

बिहार के सभी सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों ने गुरुवार से तीन दिन की हड़ताल शुरू कर दी है। इसके कारण त्रिवेणीगंज में बाहरी मरीजों के इलाज (ओपीडी) की सेवाएं ठप हो गई हैं। डॉक्टरों का कहना है कि सरकार उनके वेतन, सुरक्षा और स्टाफ की कमी जैसी समस्याओं का समाधान नहीं कर रही है। हड़ताल के कारण मरीजों को भारी परेशानी हो रही है, खासकर ग्रामीण इलाकों के मरीजों को, जो सरकारी अस्पतालों पर निर्भर होते हैं। बिहार स्वास्थ्य सेवा संघ (भासा) ने बायोमेट्रिक हाजिरी, प्रशासनिक दबाव और कर्मचारियों की कमी जैसे मुद्दों का विरोध करते हुए हड़ताल बुलाई थी। हालांकि, हड़ताल केवल ओपीडी सेवाओं तक ही सीमित रही, जबकि आपातकालीन और ट्रॉमा सेवाएं सामान्य रूप से चलती रहीं। डॉ. उमेश कुमार ने कहा, सरकार हमारी मांगों पर चुप है,

जिससे हमें काम छोड़ने का फैसला करना पड़ा। हमने गुरुवार से तीन दिन की हड़ताल करने का निर्णय लिया है। उन्होंने यह भी बताया कि विभिन्न सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों के साथ दुर्व्यवहार हो रहा है और कई स्थानों पर जिला मजिस्ट्रेट भी डॉक्टरों के प्रति गलत व्यवहार कर रहे हैं। एक अस्पताल अधिकारी ने कहा, गरीब मरीज, खासकर जो गांवों से आते हैं, सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे क्योंकि वे निजी अस्पतालों का खर्च नहीं उठा सकते। भासा ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार 29 मार्च तक कोई ठोस समाधान नहीं निकालती है, तो वे आगे भी कार्य बहिष्कार जारी रखेंगे।

टैबलेट और स्मार्ट फोन विद्यार्थियों के लिए रोजगार सृजन के अनेक अवसरों को उपलब्ध कराने वाला साबित होगा : कुलपति प्रोफेसर कविता शाह

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत उत्तर प्रदेश में अध्यनरत युवाओं के तकनीकी सशक्तिकरण हेतु टेबलेट वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने कहा कि विद्यार्थी शिक्षण संस्थानों के ध्वजवाहक होते हैं। उनकी कौशल और दक्षता से शिक्षण संस्थानों के साथ-साथ समाज की भी प्रगति होती है। प्रसन्नता का विषय है की छात्राएं भी अब हर क्षेत्र में आगे बढ़कर कार्य कर रही हैं। युवाओं की दक्षता और क्षमता विकसित भारत के परिकल्पना को साकार रूप देने में अग्रणी है। उत्तर प्रदेश में राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं संचालित किये जा रहे हैं। तकनीकी सहयोग के लिए निशुल्क टैबलेट और स्मार्टफोन वितरण विद्यार्थियों के रोजगार सृजन के अनेक अवसरों को उपलब्ध कराने वाला साबित होगा। विश्वविद्यालय में बहुत से नवाचार हो रहे हैं। विद्यार्थी केंद्रित इन नवाचारों के माध्यम से सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की पहचान राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बन सकेगी। जिससे यहां के पढ़ने वाले छात्र छात्राओं को भविष्य में आगे बढ़ने का अवसर उपलब्ध होंगे। शिक्षण संस्थानों के साथ विद्यार्थियों के रागात्मक संबंध संस्थान के प्रगति के लिए आवश्यक होता है। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय पुरातन छात्र

को इस हेतु अपने साथ जोड़ने के अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर सदर विधायक श्याम धनी राही ने कहा कि मुख्यमंत्री की चिंता में और केंद्र में युवा सर्वाधिक आगे हैं। इसलिए युवाओं पर केंद्रित अनेक कार्यक्रम और संसाधनों के माध्यम से सहयोग का कार्य उत्तर प्रदेश की सरकार कर रही है। टैबलेट एवं स्मार्ट वितरण का महा अभियान भी उसी का एक हिस्सा है। विद्यार्थी इसका सकारात्मक उपयोग करें निश्चित रूप से उनका भविष्य में मजबूत बनाने में आत्म निर्भर बनाने में यह तकनीक उनके सहयोगी साबित होगी। कार्यक्रम में विषय प्रस्तावना टैबलेट वितरण कार्यक्रम के संयोजक गणित विभाग के सहायक आचार्य अनुज ने किया,उन्होंने कहा कि कई पोर्टल पर विद्यार्थियों को तकनीकी सहयोग के लिए शासन ने व्यवस्था की है। जिसके माध्यम से उनको प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित कार्यों के लिए अनेक प्रकार के सहयोग प्राप्त हैं। विद्यार्थी के हाथ में यदि स्मार्टफोन है तो आज की तिथि में वह दुनिया की सारी जानकारी से अपने को संपन्न कर सकता है और बड़े-बड़े शिक्षण संस्थानों के साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के माध्यम से अपना स्थान बना सकता है ।कार्यक्रम में कुल सचिव डॉक्टर अमरेंद्र कुमार सिंह भी मंच पर उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर नीता यादव ने किया। संचालन डॉक्टर अविनाश प्रताप सिंह ने किया। कार्यक्रम में अधिष्ठाता वाणिज्य संकाय एवं आइक्यूएसी के निदेशक प्रोफेसर सौरव श्रीवास्तव कल अनुशासक प्रोफ़ेसर दीपक बाबू रसायन विज्ञान के आचार्य डॉक्टर बलिराम सहित शिक्षक कर्मचारी एवं छात्र -छात्राएं उपस्थित रहे। टेबलेट वितरण कार्यक्रम में 78 विद्यार्थियों को टेबलेट वितरण के लिए सूचीबद्ध किया गया था।

कोचाधामन प्रखंड के गरगांव पंचायत में तेजी गति के साथ चल रहा है पंचायत सरकार भवन निर्माण कार्य, प्रत्येक दिन संबंध विभाग के अधिकारी पहुंचते हैं कार्यस्थल पर

स्वतंत्र प्रभात

किशनगंज- जिला अंतर्गत कोचाधामन प्रखंड के ग्राम पंचायत गरगांव में लंबे समय बाद पंचायत सरकार भवन निर्माण कार्य की स्वीकृति मिली। कागजी प्रक्रिया पूर्ण होने तत्पश्चात पंचायत सरकार भवन निर्माण कार्य प्रारम्भ हुआ है। वहीं आपकों बता दें कि कार्यकारी एजेंसी भवन निर्माण विभाग द्वारा कार्य करवाया जा रहा है। उक्त पंचायत सरकार भवन निर्माण कार्य जय मातादी कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा किया जा रहा है जिसके संवेदक सुशांत कुमार हैं। वहीं पंचायत सरकार भवन निर्माण कार्य की गुणवत्ता मानकों को लेकर भवन निर्माण विभाग के सहायक अभियंता जहांगीर अहमद पहुंचे कार्यस्थल। उन्होंने आमजनों के साथ- साथ जनप्रतिनिधियों को आश्वासित किया कि गुणवत्तापूर्ण सामग्रियों के साथ भवन का कार्य ससमय

पूरा किया जाएगा। उक्त पंचायत सरकार भवन का निर्माण कार्य 3 करोड़ से अधिक की लागत से इसका निर्माण कार्य होना है पूर्ण।

गरगाँव पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मोश सज्जाद कैसर द्वारा लगातार कार्यस्थल पर पहुंचकर कार्य का जायजा लिया जाता है ताकि बन रहें पंचायत सरकार भवन गुणवत्तापूर्ण सामग्री के साथ हो पूरा। पंचायत से संबंधित सभी कार्य पंचायत वासियों का पंचायत सरकार भवन में ही होगा पूरा। पंचायत सरकार भवन के निर्माण कार्य को देखकर स्थानीय ग्रामीणों में खुशी का माहौल व्याप्त है।

आप सबकी आवाज पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव सह प्रवक्ता डॉ0 तारा श्वेता आर्या के द्वारा इफ्तार पार्टी का किया गया आयोजन

● - इफ्तार दावत में दिखा भाईचारा, हिंदू मुस्लिम समाज के लोग हुए शामिल

स्वतंत्र प्रभात

किशनगंज- मंगलवार को आप सबकी आवाज पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव सह प्रवक्ता डॉक्टर तारा श्वेता आर्या ने शहर के मदरसा अंजुमन इस्लामिया में शहरवासियों के लिए इफ्तार दावत का आयोजन किया। इस मौके पर हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आयोजित पार्टी में शहर के कई बुद्धिजीवी, सामाजिक कार्यकर्ता और राजनीतिक हस्तियां भी शामिल हुई। डॉ. तारा श्वेता आर्या ने कहा कि इफ्तार दावत के आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में सौहार्द, भाईचारा और एकता को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि भारत की गंगा-जमुनी तहजीब

हमें हमेशा एकता और आपसी प्रेम का संदेश देती है। ऐसे आयोजनों से समाज में मिल-जुलकर रहने की परंपरा को और अधिक मजबूती मिलती है।

उन्होंने कहा कि इफ़्तार पार्टी का मकसद सिर्फ रोजेदारों को भोजन कराना नहीं, बल्कि सभी समुदायों के लोगों को एक मंच पर लाना और उनके बीच प्रेम और सौहार्द बढ़ाना भी था।कार्यक्रम में शामिल होने वालों ने भी इसे सकारात्मक पहल बताया। शहर के गणमान्य नागरिकों का कहना था कि ऐसे आयोजनों से समाज में धार्मिक समरसता को बढ़ावा मिलता है। इफ्तार के दौरान लोग एक-दूसरे के साथ बैठे, संवाद किया और इस पवित्र माह की महत्ता को समझा। इस दौरान स्थानीय मौलवियों ने भी अपने विचार रखे और समाज में शांति और स?द्भाव बनाए रखने का संदेश दिया. उन्होंने कहा कि रमजान का महीना केवल इबादत का नहीं, बल्कि त्याग, प्रेम और इंसानियत का भी महीना है। वहीं, हिंदू समुदाय के प्रतिनिधियों ने कहा कि इस तरह के आयोजन यह साबित करते हैं कि सभी धर्म मिल-जुलकर रहने और भाईचारे की शिक्षा देते हैं।

कटेया के वैष्णव मठ पर मनाया गया हिन्दू वाहिनी का स्थापना दिवस : राजीव रंजन पाण्डेय

स्वतंत्र प्रभात

गोपालगंज (कटेया)- जिले के कटेया प्रखंड अन्तर्गत कटेया के प्राचीन वैष्णव मठ के पावन एवं पवित्र धरती पर हिन्दू वाहिनी का स्थापना दिवस प्रदेश अध्यक्ष राजीव रंजन की अध्यक्षता में बहुत धूम धाम से मनाया गया आपको बता दें हिन्दू वाहिनी की मासिक बैठक साल के बारहों महीने में बड़ी सालिनता तथा व्यवहारिक रूप में की जाती हैं हिन्दु वाहिनी की मासिक बैठक संगठन के विस्तार के लिए की जाती हैं एक बात चित में हिन्दू वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष राजीव रंजन पाण्डेय ने बताया कि यह हिन्दू वाहिनी एक ऐसा संगठन है जिसमें भारत माता कि आन बान शान को बचाये रखने के लिए बड़ी मधुरता और शालीनता के रूप में कार्य किया जाता हैं हिन्दू वाहिनी के पदाधिकारीयों एवं समस्त सदस्यों के द्वारा जमीनी स्तर पर कार्य करने के लिए विशेष रूप से बैठक किया जाता हैं तथा किया जाता रहेगा पाण्डेय ने बताया कि हिन्दू वाहिनी में जुड़े हुए लोग अपने जीवन से संबंधित तथा अपने परिवार के लिए कम लेकिन जन के कार्यों में ज्यादा समय लगाते हैं उन्होंने बताया कि हिन्दू वाहिनी के पदाधिकारीयों एवं सदस्यों द्वारा महीने में एक बार बैठक जरुरी रूप में की

जाती हैं हिन्दू वाहिनी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष राजीव रंजन पाण्डेय बताते हैं कि हिन्दू वाहिनी एक पारिवारिक संगठन के रूप में कार्य करता हैं इसमें जितने पदाधिकारी एवं सदस्य हैं सभी लोग मिल जुलकर जमीनी स्तर पर कार्य करने के लिए उत्साहित रहते हैं जिससे कि समाज में लोगों के उपर एक सकारात्मक सोच उभर कर आवें सभी पदाधिकारी एवं सदस्य बैठक में बड़ी शालीनता से अपनी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई बैठक में प्रदेश अध्यक्ष राजीव रंजन पाण्डेय, प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश मिश्र, जिला प्रभारी नवल किशोर चौबे, प्रखंड अध्यक्ष अजीत चौबे, प्रखंड प्रभारी अनु दास जी महाराज, जिला मीडिया प्रभारी शैलेश कुमार तिवारी, एवं अन्य पदाधिकारी सदस्य तथा वैष्णव मठ के कार्यकर्ता भी मौके पर मौजूद थे।

विधवा महिला ने घर में घुस कर मारपीट का लगाया आरोप,एसपी से लगाई न्याय की गुहार

सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज थाना क्षेत्र के धनोहरी गांव निवासी एक विधवा महिला ने घर में घुस कर मारपीट का आरोप लगाया है।पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर डुमरियागंज पुलिस के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं करने का भी आरोप लगाते हुए जांच कर कार्रवाई की मांग की है। डुमरियागंज थाना क्षेत्र के धनोहरी गांव निवासी विधवा महिला मालती पत्नी स्व.कमल किशोर ने एसपी को दिए अपने शिकायती पत्र में बताया है कि 21 मार्च को शाम करीब सात बजे घर के भीतर मिट्टी का चूल्हा बना रही थी।इसी समय गांव के बृज व वासदेव पुत्र राम लखन घर में घुसे और गाली गलौज करते हुए ईट,पत्थर,व लात घूंसे से काफी मारा पीटा,शोर सुनकर बीच बचाव करने आई पतोहू को मार पीट कर घायल कर दिया जिसमें हम दोनों को काफी चोटे आई।पूरे घटना की जानकारी डुमरियागंज पुलिस को दिया, डुमरियागंज पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।